डाक पंजीयन नं. 99/2021-23
E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -09 अंक -149 | प्रयागराज ,सोमवार,21 ,अगस्त, 2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

राजीव गांधी की जयंती सोनिया और मल्लिकार्जुन खरगे ने दी श्रद्धांजलि

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। आज पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती है। कांग्रेस के कई नेता उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। इस बीच सोनिया गांधी ने भी वीरभूमि पहुंचकर राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उधर, लद्दाख दौरे पर गए राहुल

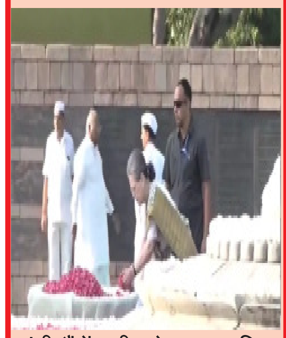

गांधी पैंगोंग झील के तट पर पिता को श्रद्धांजलि दी। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर सोनिया गांधी ने वीरभूमि पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। सोनिया के साथ प्रियंका गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी मौजूद रहे। उधर लद्दाख दौरे पर गए राहुल गांधी पैंगोंग झील के तट पर पिता को श्रद्धांजलि देंगे। राहुल गांधी 25 अगस्त तक लद्दाख के दौरे पर हैं। वो कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेने वाले हैं। सोनिया गांधी आज वीरभूमि में पूर्व पीएम राजीव गांधी को श्रद्धांजलि देने पहुंची। उनके साथ प्रियंका गांधी, रॉबर्ट वाड्रा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी राजीव गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। लद्दाख के पैंगोंग झील के तट पर आयोजित प्रार्थना सभा के बाद राहुल ने केंद्र सरकार पर हमला बोला। राहुल ने कहा, ''चिंता की बात यह है कि चीन ने जमीन छीन ली है, लोगों का कहना है कि चीन की सेना इलाके में घुस आई है और उनकी चरागाह जमीन छीन ली गई है, लेकिन इश् मोदी ने कहा कि एक इंच भी जमीन नहीं छीनी गई।'' राहुल ने कहा कि केंद्र सरकार सच नहीं बोल रही है, कोई भी यहां किसी से भी पूछ सकता है। बता दें कि राहुल गांधी 25 अगस्त तक लद्दाख के दौरे पर हैं। वो कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेने वाले हैं। राजीव गांधी को श्रद्धांजलि देते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक पोस्ट भी किया।

बेंगलुरु में बाइकर ने 40 बार तोड़े ट्रैफिक नियम तो पुलिस ने थमाया कई मीटर लंबा पर्चा

(आधुनिक समाचार सेवा)
कर्नाटक। बेंगलुरु ट्रैफिक पुलिस ने शनिवार को एक ऐसे शख्स को पकड़ा जिसके दोपहिया वाहन पर 40 मुकदमे लंबित थे। पुलिस ने दोपहिया वाहन के मालिक को ?12,000 का जुर्माना भरने को कहा जो कुछ समय से लंबित था और उनकी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की। उस व्यक्ति को थल्लाघट्टा पुलिस सीमा के पास पकड़ा गया। पुलिस ने उसके खिलाफ लंबे समय से लंबित मामलों का पता लगाया और उससे मौके पर ही जुर्माना वसूला। एक्स पर ट्रैफिक पुलिस ने लिखा, ठकुल 40 लंबित मामलों में 12000 का भुगतान कराया। चालान कटने के बाद इस तस्वीर को सोशल मीडिया पर साझा किया जा रहा है और उल्लंघनकर्ता द्वारा अपने लंबे ट्रैफिक चालान के साथ तस्वीर खिंचवाने के बाद इसे मिक्स्ड रिएक्शन मिलीं। एक एक्स यूजर ने लिखा, ''क्या वह इस चालान को कटवा के इतना गौरवान्वित महसूस कर रहा है कुछ अन्य एक्स उपयोगकर्ताओं ने कहा कि बार-बार अपराध करने पर व्यक्ति का ड्राइविंग लाइसेंस रद्द कर दिया जाना चाहिए। वहीं एक यूजर ने लिखा, ''क्या आपको आरटीओ से उसका ड्राइविंग लाइसेंस तत्काल प्रभाव से रद्द करने की सिफारिश नहीं करनी चाहिए शायद उसे काउंसलिंग की जरूरत है। नहीं तो आप अगले साल भी उनके साथ एक और फोटो पोस्ट करेंगे।

डीआरडीओ का बनाया गया तपस ड्रोन टेस्टिंग के दौरान हुआ दुर्घटनाग्रस्त, कारणों का पता लगाने में जुटे अधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। डीआरडीओ द्वारा तैयार किया गया तपस ड्रोन आज कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले के एक गांव में परीक्षण उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। डीआरडीओ ने रक्षा मंत्रालय को दुर्घटना की जानकारी दी है। हालांकि, इसके कारणों का स्पष्ट पता नहीं लग सका है। दुर्घटना के पीछे के विशिष्ट कारणों की जांच अभी जारी है। डीआरडीओ द्वारा तैयार किया गया एक तपस ड्रोन आज कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले के एक गांव में परीक्षण उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना के पीछे के विशिष्ट कारणों की जांच अभी जारी है। कारणों के जांच के लिए अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं और जांच में जुट गए है। डीआरडीओ ने रक्षा मंत्रालय को दुर्घटना की जानकारी दी है।् की वेबसाइट के अनुसार, एक मीडियम ऊंचाई वाला लंबा एंड्यूरेंस मानव रहित ड्रोन है। यह ड्रोन अधिकतम 30,000 फीट की ऊंचाई तक उड़ान भर सकता है। इन ड्रोन में इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल और ऐं (सिंथेटिक एपर्चर रडार) पेलोड के साथ 250 किमी की रेंज के साथ 24 घंटे की उड़ान क्षमता है।स्वदेशी तकनीक से बनाया गया यह ड्रोन ने तपस ड्रोन का निर्माण पूरी तरह से स्वदेशी तकनीकि से कर रहा है। इस साल बेंगलुरु में हुए एयरो इंडिया शो के दौरान भी इस ड्रोन को प्रदर्शित किया गया था। पीएम मोदी भी इस ड्रोन की तारीफ कर चुके हैं। आपको बता दें, तपस का पूरा नाम टेक्टिकल एयरबॉर्न प्लेटफॉर्म फॉर एरियल सर्विलांस है।तपस ड्रोन का इस्तेमाल सीमाओं पर निगरानी करने के साथ ही, दुश्मनों पर हमला करने के लिए भी किया जा सकता है। यह ड्रोन 18 घंटे से भी ज्यादा समय तक 28 हजार फीट की ऊंचाई तक उड़ान भर सकता है।

लद्दाख में आर्मी ट्रक खाई में गिरा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को लद्दाख में सेना के एक वाहन के खाई में गिरने से नौ सैनिकों की मौत पर दुख जताया और उनके परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लेह जिले में शनिवार को सेना के एक वाहन के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर जाने से उसमें नौ सैनिकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना दक्षिणी लद्दाख के न्योमा के कियारी के पास हुई। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि वह दुर्घटना की खबर से बहुत दुखी हैं ।

चंद्रयान -3 के सॉफ्ट लैंडिंग से पहले आई खुशखबरी, प्रोपल्शन मॉड्यूल में बचा 150 किग्रा ईंधन, मिलेगा ये फायदा

(आधुनिक समाचार सेवा)
बेंगलुरु। 23 अगस्त को इसरो द्वारा विक्रम (लैंडर) को सॉफ्ट-लैंड करने का प्रयास करने से पहले ही चंद्रयान -3 से कुछ अच्छी खबरें आई हैं। दरअसल, इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा कि 150 किलोग्राम से अधिक ईंधन बचे होने के कारण प्रोपल्शन मॉड्यूल, जिसकी शुरुआत समय में तीन-छह महीने का जीवन रहने की उम्मीद थी, उसकी अब कई वर्षों तक जीवित रहने की उम्मीद बन गई है। इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा, ठइसमें बहुत अधिक ईंधन है, जो हमारी उम्मीदों से कहीं अधिक है। इसमें बहुत सारा ईंधन बचा हुआ है, क्योंकि चंद्रमा के रास्ते में सब कुछ बहुत नाममात्र का था। हमारे पास लगभग सारा मार्जिन बचा हुआ है, जो कि लगभग 150द्दकिग्रा है। 14 जुलाई को लॉन्च के समय प्रोपल्शन मॉड्यूल में 1,696.4 किलोग्राम ईंधन भरा हुआ था और लैंडिंग मॉड्यूल से अलग होने से पहले सभी भारी भरकम काम 15 जुलाई और 17 अगस्त के बीच पूरे कर लिए गए हैं। अब तक मिशन के अलग-अलग मेन्यूवर में कुछ मामूली सुधारों ने थोड़ी-बहुत ही ईंधन की खपत की होगी। हालांकि, इनमें से प्रत्येक ऑपरेशन में कितना ईंधन खर्च हुआ, इसका कोई हिसाब नहीं है। ईंधन बचने से ये

बड़ा फायदा मॉड्यूल में अभी भी 150द्द किलोग्राम ईंधन बचा हुआ है, यह तीन-छह महीने के प्रारंभिक डिजाइन अनुमान से कहीं अधिक समय तक चंद्रमा के चारों ओर घूम सकता है। इसरो का कहना है कि यह समय कई महीनों/वर्षों तक चांद के आसपास घूम सकता है। इसका मतलब यह है कि वैज्ञानिक उपकरण- स्पेक्ट्रो-पोलरिमेट्री ऑफ हैबिटेबल प्लैनेटरी अर्थ (ऐंईं) को चंद्र सतह से पृथ्वी की विशेषताओं के लिए अध्ययन करने के लिए अधिक समय मिल जाएगा। लैंडिंग मॉड्यूल, जिसमें विक्रम और प्रज्ञान (रोवर) शामिल हैं, ने रविवार सुबह 2 बजे एसटीओआई के प्रिंट होने के बाद दूसरे डीबूस्ट मेन्यूवर का प्रयास किया होगा। यदि यह सफल होता है, तो विक्रम सॉफ्ट-लैंडिंग के लिए पूरी तरह तैयार हो जाएगा। चंद्रयान-2 मिशन के दौरान अनुमानित तौर पर मेन्यूवर के अंत में 749 किलोग्राम से अधिक ईंधन की आवश्यकता पड़ी थी। चंद्रयान-3 मॉड्यूल से इस चरण में समान मात्रा में ईंधन या थोड़ा अधिक ईंधन खर्च होने की उम्मीद है। 'डी-बूस्ट होगा मिशन का आखिरी ऑपरेशन' सोमनाथ ने कहा, ठअगर मेन्यूवर के बाद कुछ सुधार की आवश्यकता न हो तो, रविवार का डी-बूस्ट आखिरी ऑपरेशन होगा। यदि डी-बूस्ट योजना के अनुसार होता है, तो अगली कार्रवाई 23 अगस्त को होगी, जब हम लैंडिंग का प्रयास करेंगे।ठ रविवार के मेन्यूवर का उद्देश्य विक्रम के पेरिल्यून को मौजूदा 113 किमी 157 किमी से घटाकर लगभग 30 किमी और अपोलून को लगभग 100 किमी करना होगा। चंद्रयान-2 के दौरान, दूसरे डीबूस्ट ने लैंडिंग मॉड्यूल को 35 किमी 101 किमी की कक्षा में स्थापित किया था।इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने बताया कि चंद्रयान के लैंडर मॉड्यूल को चांद पर लैंड कराने में सबसे बड़ी चुनौती उसे लैंडिंग से पहले मोड़ना होगा। उन्होंने बताया कि जब लैंडर चांद की सतह पर लैंड करने के लिए उतरेगा तो, उसे लैंडिंग से पहले 90 डिग्री सेल्सियस पर मोड़कर लंबवत करना होगा। अगर यह आसानी से और सफलतापूर्वक हो जाता है, तो चांद की सतह पर लैंडिंग के चांस बढ़ जाएंगे।ने किया पोस्ट ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए चंद्रयान-3 के लैंडिंग का समय बताया है। पोस्ट में इसरो ने वेबसाइट भी शेयर किए है, जिसमें यान की लैंडिंग लाइव देखे जा सकते हैं।इसरो ने पोस्ट में लिखा, ठचंद्रयान-3 मिशनः चंद्रयान-3 23 अगस्त 2023 को लगभग 18:04 बजे चंद्रमा पर उतरने के लिए तैयार है।

गवर्नर ने किया विधानसभा का अनादर

(आधुनिक समाचार सेवा)
चेन्नई। तमिलनाडु में नेशनल

एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट को लेकर राज्यपाल और राज्य सरकार के बीच रार जारी है। नीट परीक्षा के स्कोर के आधार पर मेडिकल कॉलेज में एडमिशन मिलता है। हालांकि, देश में हर साल कई छात्र नीट परीक्षा में असफल या अच्छे अंक न हासिल करने के बाद आत्महत्या कर लेते हैं। राज्य सरकार तमिलनाडु अंडर ग्रेजुएट मेडिकल पाठ्यक्रम विधेयक 2021 को पारित कराने में जुटी है। विधेयक पारित होने के बाद तमिलनाडु में मेडिकल कॉलेजों में दाखिला लेने वाले इच्छुक छात्रों को नीट परीक्षा नहीं देनी होगी। छात्रों को प्लस टू यानी 12वीं की परीक्षा की मेरिट के आधार पर मेडिकल कॉलेजों में दाखिला मिल जाएगा। हालांकि राज्यपाल एलंगोवन रवि को यह विधेयक पसंद नहीं है।

सत्ता के लिए किसी भी हद तक जा सकती है भाजपा, कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार का केंद्र सरकार पर हमला

(आधुनिक समाचार सेवा)
मुंबई (महाराष्ट्र)। कांग्रेस नेता और महाराष्ट्र में विपक्ष के नेता विजय

वडेट्टीवार ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (ँव्झ्) के नेतृत्व वाली सरकार पर हमला बोला। कांग्रेस नेता और महाराष्ट्र में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार सत्ता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर धार्मिक संघर्ष भड़काने का भी आरोप लगाया। पुलवामा हमले को याद करते हुए विजय ने कहा कि केंद्र सरकार अब तक यह पता नहीं लगा सकी कि वह आरडीएक्स कहां से आया था विजय ने कहा कि केंद्र सरकार सत्ता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। पुलवामा आतंकी हमले को लेकर उन्होंने कहा कि हमारे कई सैनिकों की इस हमले में जान चली गई और सरकार अब तक यह पता नहीं लगा सकी कि वह आरडीएक्स कहां से आया 14 फरवरी, 2019 को हुआ था पुलवामा अटैक उल्लेखनीय है कि 14 फरवरी, 2019 को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में सुरक्षा वाहनों के काफिले पर आतंकवादी हमला हुआ था। इसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (ऐंइ) के लगभग 40 जवान मारे गए थे। कांग्रेस नेता ने भाजपा पर आरोप लगाया कि जब भी सत्तारूढ़ सरकार को लगता है कि वे सत्ता खो रहे हैं तो वे धार्मिक संघर्ण को भड़काते हैं। धार्मिक संघर्ष भड़काने का काम करती है भाजपा वडेट्टीवार ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि 'अगर उन्हें (ँव्झ्) लगेगा कि वे सत्ता में नहीं आ रहे हैं, तो वे राम मंदिर की पूजा के बारे में बात करेंगे और धार्मिक संघर्ष भड़काएंगे। वे एक धर्म को दूसरे धर्म से लड़ाएंगे और इस स्थिति का फायदा उठाकर सत्ता में लौट आएंगे।

वंदे भारत ट्रेन में रेलवे ने किया बड़ा बदलाव, जल्द ही नए रंग रूप में दिखेगी ये सेमीहाईस्पीड ट्रेन

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारत की पहली सेमी हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत जल्द ही आपको नए रंग-रूप में दिखाई देगी। भारतीय रेलवे ने अब तक 32 वंदे भारत ट्रेनें बनाई हैं। इन सभी ट्रेनों को रंग सफेद और नीला है। लेकिन 33 वीं वंदे भारत ट्रेन में भारतीय रेलवे ने बड़ा बदलाव किया है। रेलवे की चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (घ्ण्इ) द्वारा बनाई गई 33 वीं नई 8 कोच वाली वंदे भारत एक्सप्रेस नारंगी और भूरे रंग की है। भारतीय रेलवे ने इस शनिवार को घ्ण्इ से पाडी रेलवे फ्लाईओवर तक इस ट्रेन को ट्रैक पर चला कर इसका ट्रायल किया। इस ट्रेन में आधुनिक वंदे भारत ट्रेनों जैसी सभी सुविधाएं हैं। भारतीय रेलवे की ओर से नारंगी और भूरे रंग के साथ बनाई गई ये पहली वंदे भारत ट्रेन है। घ्ण्इ के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक इस ट्रेन को किस रूट पर चलाया जाएगा इस पर अब तक फैसला नहीं हुआ है। रेलवे बोर्ड जल्द ही इस बारे में ऐलान करेगा। रेलवे की चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (घ्ण्इ) द्वारा बनाई गई नई 8 कोच वाली वंदे भारत एक्सप्रेस नारंगी और भूरे रंग की है। भारतीय रेलवे ने इस ट्रेन को शनिवार को घ्ण्इ से पाडी रेलवे फ्लाईओवर तक ट्रैक पर चला कर इसका ट्रायल किया। यह ट्रेन घ्ण्इ उत्पादन लाइन में 33वीं वंदे भारत ट्रेन है। इस ट्रेन में आधुनिक वंदे भारत ट्रेनों जैसी सभी सुविधाएं हैं। वंदे भारत ट्रेन पूरी तरह से देश में बनाई गई सेमी हाई स्पीड ट्रेन है। इस ट्रेन को 180 किलोमीटर प्रति घंटा गति पर चला कर टेस्ट किया जा चुका है। इस ट्रेन की क्षमता 200 किलोमीटर तक की स्पीड पर चलाने की है। देश में ट्रैक की स्थिति और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस ट्रेन को अब तक 130 किलोमीटर प्रति घंटा की औसत गति से चलाने की अनुमति दी गई है। ये ट्रेन यात्रियों के लिए जितना ज्यादा सुविधाजनक है उतनी ही देखने में खूबसूरत भी है। भारत में सबसे पहले वन्दे भारत ट्रेन 18 फरवरी 2019 को चलाई गई थी। इस ट्रेन में समय के साथ कई सुधार भी किए गए हैं। एक वंदे भारत ट्रेन को बनाने में रेलवे को लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत लगती है। इस ट्रेन को बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले घ्ण्इ के पूर्व जीएम सुधांशु मणि कहते हैं कि वंदे भारत आज देश की सबसे आधुनिक ट्रेन है। रेलव ने अभी इस ट्रेन के रंग में बदलाव का फैसला लिया है। लेकिन इस ट्रेन में अपार संभावनाएं हैं। आप समय के साथ ही वंदे भारत स्लीपर ट्रेन, वंदे भारत जनरल ट्रेन, वंदे भारत हाइड्रोजन ट्रेन, वंदे भारत मालभाड़ा ट्रेन जेसे प्रयोग भी देखेंगे। रेलवे को इस तरह के प्रोजेक्ट्स पर तेज गति से काम करने की जरूरत है। ये भारत की पहली सेमी हाई स्पीड ट्रेन है। ये ट्रेन पूरी तरह से भारत में बनाई गई है। ये ट्रने पूरी तरह से बिजली से चलती है। इस ट्रने में इंजन की बजाए बिजली के मोटर लगाए गए हैं। ट्रेन 100 किलोमीटर की स्पीड बस 52 सेंकड में पकड़ लेती है। ट्रेन में ऑटोमेटिक दरवाजे लगे हैं। मेट्रो के जैसे ही ये दरवाजे ही ऑटोमेटिक खुलते हैं। इस ट्रेन में 4 डिब्बों का एक सेट होता है। एक डिब्बें में खराबी हाने पर पूरा सेट बदलना होता है। इसमें जो स्टिंग चेयर्स है वो 360 डिग्री घूम जाती हैं। इस ट्रेन में कैटरिंग की सुविधा भी उपलब्ध है। यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए ट्रेन को पूरी तरह से ऑनबोर्ड वाईफाई की सुविधा से लैस बनाया है। हर सीट के नीचे मोबाइल और लैपटॉप चार्ज करने के लिए चार्जिंग पॉइंट्स दिए गए हैं। वन्दे भारत ट्रेन में जीपीएस प्रणाली लगी है।

कई देशों को प्याज निर्यात करता है भारत, फिर भी देश में बढ़ रहे दाम; आखिर क्या है वजह

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। देश में टमाटर की बढ़ी कीमतों की समस्या के बीच अब लोगों को थोड़ी-बहुत राहत मिलनी शुरू हुई है, तो वहीं अब प्याज ने सबको रुलाने की तैयारी कर ली है। दिल्ली-एनसीआर में टमाटर की कीमत 40 से 50 रुपये किलो पर पहुंचे हैं, तो वहीं अब प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी कर बताया कि 31 दिसंबर 2023 तक प्याज पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लागू कर दिया है। दरअसल टमाटर के बाद प्याज की कीमतों में उछाल देखने को मिला है लेकिन इसके दामों पर लगाम लगाया जा सके इसलिए सरकार ने पहले ही ठोस कदम उठा लिया है। बता दें कि प्याज उत्पादन में भारत टॉप देश है। गौरतलब है कि प्याज के उत्पादन में दुनिया भर में भारत टॉप पर है। इसके बाद भी प्याज के दामों में बढ़ोतरी हो रही है। इसको लेकर केंद्र सरकार ने तैयारी कर ली है, ताकि भारत को प्याज के मामले में किसी तरह की महंगाई का सामना न करना पड़े। इसके मद्देनजर केंद्र सरकार ने प्याज की मूल्य वृद्धि पर अंकुश लगाने और घरेलू बाजार में आपूर्ति में सुधार के लिए प्याज के निर्यात पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाने का फैसला किया है। इसके लिए वित्त मंत्रालय की ओर से नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया गया है, जिसमें कहा गया है कि 31 दिसंबर, 2023 तक प्याज पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाया है। पहली बार लगा निर्यात शुल्क इस वित्त वर्ष में एक अप्रैल से 4 अगस्त के बीच देश से 9.75 लाख टन प्याज का निर्यात किया गया है। मूल्य के लिहाज से टॉप तीन आयातक देश बांग्लादेश, मलेशिया और संयुक्त अरब अमीरात है। उपभोक्ता मामलों के सचीव रोहित कुमार सिंह ने कहा कि इन दिनों प्याज के निर्यात में काफी बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने बताया कि खासकर आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए घरेलू बाजार में प्याज की उपलब्धता बढ़ाने के लिए सरकार को निर्यात शुल्क लगाना पड़ा है। इस साल पहली बार बाहरी शिपमेंट पर प्रभावी नियंत्रण के लिए निर्यात शुल्क लगाया गया है। प्याज के उत्पादन में टॉप पर भारत दुनियाभर में प्याज के उत्पादन में भारत टॉप पर है। सरकार आंकड़ों के मुताबिक, साल 2021 में भारत ने 26.6 लाख मिट्रिक टन प्याज का उत्पादन किया था। भारत के प्याज के उत्पादन में चीन दूसरे नंबर पर और मिस्र तीसरे नंबर पर है। गौरतलब है कि सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, साल 2021 में भारत में सबसे अधिक प्याज का उत्पादन महाराष्ट्र ने किया था। इसके बाद दूसरे नंबर पर मध्य प्रदेश, तीसरे नंबर पर कर्नाटक और गुजरात है।इस साल सरकार ने पहली बार उच्च निर्यात शुल्क लगाया है। इससे पहले 2020 में सितंबर से दिसंबर तक प्याज के निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध लगा गया था और 2019 में केंद्र ने न्यूनतम निर्यात मूल्य तय किया था।

लैंडिंग के लिए तैयार रहें केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने इसरो की तस्वीर शेयर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर मॉड्यूल ने आज अपने दूसरे और अंतिम डी-ऑर्बिटिंग को पूरा

कर लिया है। इसरो ने सोशल मीडिया पर एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर इसकी जानकारी दी। लैंडर मॉड्यूल के 23 अगस्त को चांद की सतह पर उतरने की उम्मीद है। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने लैंडर मॉड्यूल के चांद पर लैंड करने को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी किया। उन्होंने (पूर्व में ट्विटर) में लिखा चंद्रयान 3 मिशन लैंडिंग के लिए तैयार रहें! जैसे ही लैंडर मॉड्यूल चांद के करीब पहुंचेगा वैसे ही उल्टी गिनती शुरू हो जाएगी। इसरो ने बताया कि लैंडर मॉड्यूल के दूसरे और आखिरी चरण में बदलाव के बाद चांद से इसकी दूरी और कम हो गई है और लैंडर मॉड्यूल और 25 किमी 134 किमी की दूरी पर चांद से ओर भी बेहद करीब आ गया है। लैंडिंग के लिए तैयार रहें के मुताबिक, चंद्रयान-3 लैंडर मॉड्यूल के 23 अगस्त, 2023 को 5 बजकर 45 मिनट पर चांद की सतह पर उतरने की उम्मीद है। हो

सपनों के शहर मुंबई में मिला कंचन अवस्थी को सम्मान

(आधुनिक समाचार सेवा)

लखनऊ । कंचन अवस्थी आज किसी परिचय की मोहताज नहीं है। लखनऊ (उ.प्र.) की रहने वाली कंचन पिछले कुछ सालों से मुंबई सेना के अरविंद सावंत (मेम्बर ऑफ़ पार्लियामेंट लोकसभा) , सुरेखा बाबूराव कपिले(असिस्टेंट कमिश्नर ऑ फ़ पु लिस), राजेंद्र मूणोत(आईएएस एकेडमी) और श्रेय अपने परिवार को देते हुए कहती हैं कि वह सचमुच बहुत भाग्यशाली हैं। जो उन्हें ऐसा परिवार मिला और आप सबका प्यार मिला। कंचन अभी शहर में

में अपने सपनों को पूरा कर रही हैं। कंचन कहती हैं कि ध्सर्ीत्त्ब् तो मैंने जो सपना देखा था आज वो पूरा होते हुए देख रही हूँ , उसे जी रही हूँ। से नवाज़ा गया।यह कार्यक्रम मुंबई में अंधेरी स्थित मेयर हॉल में संपन्न हुआ।कार्यक्रम में चीफ गेस्ट के रूप में मौजूद रहे शिव कंचन अवस्थी(बॉलीवुड एक्ट्रेस). कंचन कहती हैं कि मुंबई शहर जहाँ उन्होंने कभी अपने सपने पूरे करने का ख्वाब देखा था , आज वहाँ उन्हें बुलाया जाता है। यह उनके लिए किसी मिरेकल से कम नहीं। इससे पहले उन्हें से भी नवाज़ा जा चुका है। अपनी सफलता का अपनी आगामी फ़िल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं और साथ ही साथ अपने इवेंट्स के लिये भी समय निकालती रहती है।उनकी आने वाली फ़िल्मों में मजनूँ सैलून, लाल बत्ती, किस मार्क और कुतुबमीनार फ़िल्में हैं , जो रिलीज़ के लिये तैयार हैं।

महाकुंभ के पहले संगम पर रोप-वे बनकर होगा तैयार, सीएम योगी के सामने जल्द होगा प्रजेंटेशन

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। संगम पर बनने वाले रोप वे का प्रजेंटेशन जल्द ही सीएम योगी के सामने होगा। इसके लिए रोप वे को महाकुंभ 2025 के पहले बनाया जाना है। इसके निर्माण के लिए पीडीए को तीन विभागों से एनओसी लेना है। इसमें सेना के पीडीए के अधिकारियों से रोप वे निर्माण की सभी जानकारियां साझा करने का भी निर्देश दिया है। दूसरी तरफ महाकुंभ से पहले

सीएम ने पीडीए के अधिकारियों को निर्देश भी दिए हैं। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) के अधिकारी प्रजेंटेशन की तैयारी में जुट गए हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि दो हफ्ते में यह तैयार हो जाएगा। अरल के त्रिवेणी पुष्प तक 251 करोड़ रुपये से बनने वाले अलावा भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) शामिल हैं। तीनों विभागों से जल्द ही एनओसी मिलने की उम्मीद है। एनओसी मिलते ही रोप वे का काम शुरू हो जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शहर की कई सड़कों का चौड़ीकरण और सुंदरीकरण होना है। इस बारे में पीडीए के मुख्य अभियंता नीरज कुमार गुप्ता ने बताया कि पांच सड़कों के सुंदरीकरण और चौड़ीकरण का डीपीआर तैयार हो गया है। जल्द ही कार्य शुरू होगा।

छात्र संसद प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम हुआ संपन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। सरस्वती विद्या मंदिर माधव ज्ञान केंद्र नैनी ,प्रयागराज में ठमाधव संकुल ठके छात्र संसद के पदाधिकारियों का एक दिवसीय संसद, कन्या भारती एवं शिशु भारती के भैया/ बहन तीन अलग-अलग स्थानों पर बैठकर प्रशिक्षकों द्वारा सत्र की कार्य योजना बनाई और उसके क्रियान्वयन की शपथ

प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 9:00 बजे दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन के साथ हुआ, आए हुए अतिथियों का परिचय विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर विंध्यवासिनी प्रसाद त्रिपाठी ने कराया, कार्यक्रम तीन सत्र में संपन्न हुआ प्रथम सत्र सामूहिक रहा ,जिसमें रानी रेवती देवी के प्रधानाचार्य श्री बांके बिहारी पांडेय जी ने भैया /बहनों को छात्र संसद चुनने एवं मतदान द्वारा प्रधानमंत्री चुनने की प्रक्रिया पर प्रकाश डालें । इसके पश्चात प्रधानमंत्री द्वारा विभागों के प्रमुख एवं परिषद प्रमुख के चुनने की प्रक्रिया समझाया।द्वितीय सत्र में छात्र ली। तृतीय व समापन सत्र में मुख्य वक्ता श्री विजय उपाध्याय, पूर्व क्षेत्रीय शिशु वाटिका प्रमुख रहे, आपने भैया /बहनों को ईमानदारी एवं निष्ठा से कार्य करने एवं समाज में अपनी अलग पहचान बनाने पर बल दिया ,श्री अनुराग पांडेय जी ने विद्या भारती के विद्यालयों में मुख्य रूप से मिलने वाले संस्कार पर प्रकाश डाला। इस मौके पर छात्र सांसद प्रमुख श्री सुरेश्वर मिश्र, कन्या भारती प्रमुख श्रीमती आशा तिवारी एवं शिशु भारती प्रमुख श्री बनवारी लाल चौरसिया के साथ सभी आचार्य उपस्थित रहे। आभार ज्ञापन सरस्वती विद्या मंदिर शास्त्री नगर के प्रधानाचार्य श्री दिनेश दुबे जी ने किया।

सावन सोमवार और पंचमी का अद्भुत संयोग, शिव को अर्पित किया दूध-लावा, नागवासुकि मंदिर में लंबी कतार

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। नाग पंचमी का पर्व जिले में परंपरागत तरीके से मनाया गया। नाग देवता को दूध और लावा का भोग लगाया गया। घर के दरवाजों पर आम के पत्ते पर दूध और लावा रखकर नाग देवता का आह्वान किया गया। साथ ही सर्पदोष से मुक्ति की कामना की गई। शिव मंदिरों में भी भक्तों दर्शन पूजन किया। जनपद के प्रमुख शिव मंदिरों मनकामेश्वर महादेव, सोमेश्वर महादेव, पड़िला महादेव, कोटेश्वर महादेव, हनुमत निकेतन स्थित शिव मंदिर, दशाश्वमेधेश्वर महादेव में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। दारागंज गंगा घाट पर स्थित नागवासुकि मंदिर में दूध और लावा चढ़ाने के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। यहां करीब आधा किमीमीटर लंबी कतार लगी रही। पूरा इलाका हर हर महादेव, बोल बम, ऊं नमः शिवाय के मंत्र से गूंजता रहा। नागवासुकि मंदिर पर भोर से ही भक्तों की भीड़ जुटने लगी थी। यहां पर भारी पुलिस बल के साथ ही महिला पुलिस की भी तैनाती की गई थी। सावन के चौथे सोमवार और पंचमी का योग होने के कारण पूजन का विशेष महात्म

रहा। भक्तों ने संगम और गंगा में डुबकी भी लगाई। बड़ी संख्या में कांवरिये गंगा जल लेकर बाबा विश्वनाथ धाम के लिए रवाना हुए। मंदिरों के अलावा घरों में भी नाग देवता का पूजन किया गया। दरवाजे और घर की दीवारों पर नाग देवता के चित्र लगाकर पूजन किया गया। नाग पंचमी भारत के प्रमुख त्योहारों में से एक है। भारत, नेपाल और हिंदू आबादी वाले अन्य दक्षिण एशियाई देशों में लोग इस हिंदू त्योहार पर नागों की पारंपरिक पूजा करते हैं। नाग पंचमी श्रावण के शुक्ल पक्ष में मनाई जाती है।इस बार नाग पंचमी 21 अगस्त 2023 को पड़ रही है। नाग पंचमी का त्योहार देशभर में बड़ी धूमधाम से माना जाता है। हिंदू धर्मग्रंथों और महाकाव्यों में सांप या नाग महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महाभारत, नारद पुराण, स्कंद पुराण और रामायण जैसे ग्रंथों में सांपो से जुड़ी कई कहानियां हैं। एक और कहानी भगवान कृष्ण और नाग कालिया से जुड़ी है, जहां कृष्ण यमुना नदी पर कालिया से लड़ते हैं और अंत में मनुष्यों को दोबारा परेशान न करने के वादे के साथ कालिया को माफ कर देते हैं। गरुड़ पुराण के अनुसार नाग पंचमी पर नागों की पूजा करने से भक्त को सौभाग्य और समृद्धि की प्राप्ति होती है। 21 अगस्त 2023 को पड़े नाग पंचमी का एक विशेष महत्व है।

प्रयागराज आक्रोशित कांवरियों ने हाईवे किया जाम, घंटों से आवागमन

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। एनएच 330 हाईवे मार्ग प्रयागराज प्रतापगढ़ के सोरांव थाना क्षेत्र अंतर्गत नहर दतौली पर शनिवार की सुबह आक्रोशित कांवरियों ने हाईवे मार्ग को घंटों से जाम लगा रखा है। कांवरियों के जाम की खबर जैसे ही पुलिस महकमा में पहुंची तो कई थानों की फोर्स के साथ पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। जहां आक्रोशित कांवरियों को समझने का प्रयास किया जाता रहा। हालांकि आक्रोशित कांवरियों ने प्रशासन के

खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए हाईवे को जाम घंटों से किया रखा है। जिससे हाईवे मार्ग पर सफर करने वाले वाहनों का दोनों तरफ काफिला लग रहा। कांवरियों का जाम आखिरकार सड़क हादसे में कांवरिया के घायल होना बताया जा रहा है।

सुरेद्र कोली और पंढेर के फांसी पर 12 सितंबर को फिर होगी सुनवाई

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। नोएडा के निठारी कांड में पिछले महीने कोर्ट ने एक हफ्ते तक मामले की लगातार सुनवाई की थी। मुंबई से आए सुरेंद्र कोली के वकील ने बहस करते हुए दावा किया था कि कोली बेकसूर है, पुलिस और जांच एजेंसी की यातनाओं के कारण उसने अपराध कुबूल किया था। नोएडा के बहुचर्चित निठारी कांड के आरोपी सुरेंद्र कोली और मोनिंदर पंढेर की

फांसी पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। बारह अपीलों पर न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति एसएएच रिजवी की अदालत सुनवाई की। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद न्यायालय ने सुनवाई के लिए 12 सितंबर की तिथि मुकर्रर की है। पिछले महीने कोर्ट ने एक हफ्ते तक मामले की लगातार सुनवाई की थी। मुंबई से आए कोली के वकील ने बहस करते हुए दावा किया था कि कोली बेकसूर है।

सीएम योगी ने रामलला के दरबार में लगाई हाजिरी ,मंदिर निर्माण की देखी प्रगति

(आधुनिक समाचार सेवा)

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज शनिवार रामनगरी अयोध्या दौरे पर अखाड़ा से गहरा जुड़ाव है।गोरक्षपीठ की तीन पीढ़ियों का दिगंबर अखाड़े से जुड़ाव रहा है।सीएम के गुरु अवैद्यनाथ और

हैं।शनिवार दोपहर लगभग 11 बजे सीएम का हेलीकॉप्टर राम कथा पार्क हेलीपैड पर उतरा।सीएम ने सबसे पहले राममंदिर आंदोलन के नायक रहे रामचंद्र दास परमहंस की समाधि पर पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित की।इसके बाद रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई और फिर राममंदिर निर्माण की प्रगति देखी।इस मौके पर उनके साथ श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय भी मौजूद रहे। सीएम यहां कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का दिगंबर परमहंस की काफी घनिष्ठता थी। सीएम भी अपनी पीढ़ी की परंपरा का निर्वहन कर रहे हैं। दिगंबर अखाड़ा राममंदिर आंदोलन का प्रधान केंद्र भी रहा है।राममंदिर आंदोलन की पहली बैठक दिगंबर अखाड़े में हुई थी।उसमें राममंदिर निर्माण के लिए एक समिति का भी गठन किया गया, जिसके अध्यक्ष महंत अवैद्यनाथ बनाए गए थे। महंत अवेद्यनाथ सीएम योगी के गुरु रहे। 1989 में महंत रामचंद्र दास परमहंस को रामजन्म भूमि न्यास का पहला अध्यक्ष चुना गया। इसके बाद ही मंदिर आंदोलन को नई दिशा मिली।

कार की टक्कर से बाइक सवार 11वीं के दो छात्रों की मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। शिव मंदिर जा रहे थे रुद्राभिषेक करनेरुद्राभिषेक करने जा रहे 11वीं के दो छात्रों की बाइक में कार ने जोरदार टक्कर मार दी। दोनों गंभीर रूप से घायल हो और कौशांबी में ही पुरामुफ्ती निवासी अश्वनी शुक्ला (17) पुत्र संजय शुक्ला दोनों फलाहारी आश्रम में रहते थे और श्री सच्चा बाबा संस्कृत विद्यालय में 11वीं के छात्र थे। दोनों नागपंचमी के अवसर पर

गए। उपचार के दौरान दोनों की एसआरएन अस्पताल में मौत हो गई। दोनों कौशांबी के रहने वाले हैं। अरैल तटबंध मार्ग पर कार की टक्कर से बाइक सवार दो छात्रों की मौत हो गई। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल एसआरएन अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की सूचना से परिवार में कोहराम मच गया है। कौशांबी जिले के जमुना गांव निवासी अनूप पांडेय (18) पुत्र राघव राम पांडेय शूलटंकेश्वर मंदिर में रुद्राभिषेक करवाने जा रहे थे। मंदिर से थोड़ी दूर पहले काले रंग की कार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने लोगों की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन वहां पहुंचने पर अनूप ने और इलाज के दौरान अश्वनी ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने चालक को कार सहित पकड़ लिया है। इंस्पेक्टर वीरेंद्र यादव का कहना है कि इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई है। अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

वर्ल्ड फोटोग्राफी डे पर आर्ट लाइफ गैलरी में भव्य फोटो प्रदर्शनी का शुभारंभ

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। बिसरख नोएडा विश्व फोटोग्राफी दिवस पर नोएडा मीडिया क्लब के तत्वाधान में नोएडा और दिल्ली के फोटो जर्नलिस्टों द्वारा आर्ट लाइफ गैलरी सेक्टर 44 में भव्य फोटो प्रदर्शनी का आज से शुभारंभ किया गया। प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर एसीपी 1 रजनीश वर्मा नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष पंकज पाराशर महासचिव विनोद राजपूत आर्ट लाइफ गैलरी संचालक प्रीति बजाज व प्रतिभा अग्रवाल मुख्य रूप से मौजूद रहे । यह तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी 21 अगस्त तक चलेगी। दीप प्रज्वलित कर किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ फ़ोटो प्रदर्शनी के अवसर पर एसीपी 1 रजनीश वर्मा ने सभी पत्रकारों और छायाकारों को वर्ल्ड फोटोग्राफी डे की बधाई दी। उन्होंने प्रदर्शनी में लगे सभी फ़ोटो बेहद उत्साहित हो देखे और प्रत्येक फ़ोटो के विषय मे सम्बंधित फोटोजर्नलिस्ट से पूरी जानकारी भी ली। एसीपी 1 रजनीश वर्मा ने नोएडा मीडिया क्लब के इस प्रयास की खूब सराहना

की और कहा कि भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम किए जाएं,जिनसे समाज को रचनात्मक कार्यों के प्रति रूचि पैदा हो। तीन दिवसीय इस प्रदर्शनी को फोटो प्रेमी सुबह 11:00 से 5:00 तक देख सकते हैं आज पहले दिन भी कई गणमान्य लोगों ने प्रदर्शनी का लुफ्त उठाया जिनमें हिंदुस्तान टाइम्स के फोटो एडिटर अजय अग्रवाल, वरिष्ठ फोटोग्राफर प्रकाश सिंह, रायटर्स के वरिष्ठ फोटोग्राफर अदनान अबिदी व हिंदुस्तान टाइम्स के वरिष्ठ फोटोग्राफर राज के राज,सुरेंद्र प्रधान सुधीर तोमर अशोक चौहान आदि शामिल रहे और लोगों ने प्रदर्शनी में प्रदर्शित फोटो की सराहना की। प्रदर्शनी के शुभारंभ के मौके पर नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष पंकज पराशर, विनोद राजपूत, रिंकू यादव, दिनेश शर्मा इकबाल चौधरी,हरवीर चौहान, अश्वनी श्रीवास्तव ,ए के लाल सहित अन्य वरिष्ठ पत्रकार मौजूद रहें।प्रदर्शनी में प्रतिभाग करने वाले फोटोजर्नलिस्ट अमर उजाला के अभिषेक कुमार, फ्रीलांस अंकित यादव, फ्रीलांस के आसिफ, इंडियन एक्सप्रेस के गजेंद्र यादव, फ्रीलांस हिमांशु सिंह, हिंदुस्तान हिंदी के ईश्वर चंद, अमर उजाला के लाल सिंह, राष्ट्रीय सहारा के मनोहर त्यागी, राष्ट्रीय सहारा के एन के दास, नवोदय टाइम्स के नीरज कुमार, नवोदय टाइम्स के प्रमोद शर्मा, फ्रीलांस प्रेम बिष्ट, नवभारत टाइम्स के रमेश शर्मा, नवभारत टाइम्स के रवि यादव, अमर उजाला के राजन राय, राष्टीय सहारा के सुशील अग्रवाल, हिंदुस्तान टाइम्स के सुनील घोष, हिंदुस्तान हिंदी के सलमान अली, दैनिक जागरण के सौरभ राय, फ्रीलांस वीरेंद्र सिंह व टाइम्स ऑफ इंडिया के योगेश कुमार की फोटो प्रदर्शित की गई।

वाई20 समिट की बस पर लगा पत्थर, खिड़की का शीशा टूटा; विदेशी मेहमान की आंख में लगी चोट

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। वाई20 समिट का समापन रविवार को हुआ है। इस कारण जी20 व अन्य देशों से आए मेहमानों को काशी का भ्रमण कराया गया। देर शाम क्रूज से गंगा आरती के बाद मेहमानों को बस से ही होटल भेजा गया। मंडुवाडीह चौराहे की है। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अफसर सकते में आ गए। घायल को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। उधर, पुलिस की एक टीम सीसी कैमरों की फुटेज खंगालने में जुट गई। एहतियातन मंडुवाडीह से लहरतारा सड़क की एक लेन बंद रुकती, तब तक खिड़की के पास बैठे विदेशी मेहमान को चोट लग गई। बस रोकी गई, फिर घटना की सूचना अधिकारियों को दी गई। मौके पर पुलिस उपायुक्त समेत कई अफसर पहुंचे। सीसी कैमरों की जांच कर पूरे मामले की हकीकत जानने का प्रयास किया जा रहा खुराफात या कोई साजिश! पुलिस मामले की संजीदगी से जांच कर रही है। पता लगा रही है कि पत्थर किसी अवांछनीय तत्वों की खुराफात से बस तक आया या इसके पीछे कोई साजिश है। मामला विदेशी मेहमानों से जुड़ा है, इस कारण हर बिंदु की जांच की जा रही है। निर्माण में फैले पत्थर भी हो सकते हैं कारण पुलिस अफसरों का कहना है कि सड़क चौड़ी की जा रही है। किनारे पत्थर के टुकड़े फैले हैं। संभावना है कि बस की गति तेज रही हो और किसी दूसरे वाहन से टकराकर पत्थर बस के खिड़की से आ टकराए मंडुवाडीह पुलिस की लापरवाही आई सामने जिस वक्त विदेशी मेहमानों को रविदास घाट से होटल लाया जा रहा था, उस वक्त सड़क की एक लेन को ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया था। मंडुवाडीह चौराहे के अलावा पुलिसकर्मी किसी भी जगह तैनात नहीं दिखे, जबकि पुलिस आयुक्त की तरफ से विदेशी मेहमानों की सुरक्षा के लिए हर थाने की पुलिस को अलर्ट किया गया था वाई20 के मेहमानों को लेकर लौट रही एक बस की खिड़की पर पत्थर का टुकड़ा लगा है। एक विदेशी मेहमान घायल हुआ है। एहतियातन पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। पूरी जांच के बाद ही घटना के सही कारण का पता लग पाएगा।

से आगे बढ़ते ही बस के खिड़की से पत्थर का एक टुकड़ा टकराया। क्रूज से गंगा आरती देखने के बाद रविवार की देर रात होटल लौट रही वाई20 समिट की बस पर मंडुवाडीह में पत्थर लगा। इससे बस की खिड़की का शीशा टूट गया और कांच का एक टुकड़ा विदेशी मेहमान की आंख के पास जा लगा। मेहमान जख्मी हो गया। घटना मंडुवाडीह थाने से करीब 100 मीटर की दूरी करके जांच की जा रही है। वाई20 समिट का समापन रविवार को हुआ है। इस कारण जी20 व अन्य देशों से आए मेहमानों को काशी का भ्रमण कराया गया। देर शाम क्रूज से गंगा आरती के बाद मेहमानों को बस से ही होटल भेजा गया। मंडुवाडीह चौराहे से आगे बढ़ते ही बस के खिड़की से पत्थर का एक टुकड़ा टकराया। जब तक बस में सवार लोग कुछ समझ पाते और बस है। कई थानों की फोर्स लगाकर जांच की जा रही है। अवांछनीय तत्वों की खुराफात या कोई साजिश पुलिस मामले की संजीदगी से जांच कर रही है। पता लगा रही है कि पत्थर किसी अवांछनीय तत्वों की खुराफात से बस तक आया या इसके पीछे कोई साजिश है। मामला विदेशी मेहमानों से जुड़ा है, इस कारण हर बिंदु की जांच की जा रही है।अवांछनीय तत्वों की

वैश्विक चुनौतियों से निपटने रहा जोर, देश-विदेश के युवाओं के सुझाव पर तैयार हुआ मसौदा

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। वाराणसी में आयोजित चार दिवसीय वाई20 (यूथ समिट) का समापन रविवार को हो गया। वाई20 देशों से आए प्रतिनिधियों के सुझावों को शामिल कर ड्राफ्ट तैयार किया गया है। इस मसौदे कौशल और शांति निर्माण के साथ युद्ध रहित युग की शुरुआत पर प्रतिनिधियों ने चर्चा की। जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण को भी चर्चा में शामिल किया गया। साझा भविष्य के उद्देश्य से लोकतंत्र और शासन में युवा करने पर भी सहमति बनी है। वाई20 समिट में देश, विदेश से आए प्रतिभागियों ने उस प्रस्ताव पर मुहर लगाई जिसमें यह कहा गया है कि अफ्रीकी संघ को भी इस समूह से जोड़ा जाए। इसमें 55 देश हैं। वाई20 के चेयरमैन अनमोल

को युवा कल्याण एवं खेल मंत्रालय को भेजा जाएगा। वाराणसी में आयोजित चार दिवसीय वाई20 (यूथ समिट) का समापन रविवार को हो गया। वाई20 देशों से आए प्रतिनिधियों के सुझावों को शामिल कर ड्राफ्ट तैयार किया गया है। इस मसौदे को युवा कल्याण एवं खेल मंत्रालय को भेजा जाएगा। ये जानकारी रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में समापन समारोह के दौरान युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के निदेशक पंकज कुमार सिंह, जिलाधिकारी एस राजलिंगम, वाई20 के चेयरमैन अनमोल सोविट ने दी। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में उद्योग, नवाचार, 21वीं सदी के और स्वास्थ्य, खेल पर भी विस्तार से चर्चा की गई। वाई20 के चेयरमैन अनमोल सोविट ने बताया कि 20 देशों से आए 130 से अधिक प्रतिनिधियों ने अलग-अलग सत्रों के बाद जो सिफारिश दी, उसमें वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए एकजुटता पर जोर दिया गया। इसके लिए विशेष कार्यबल तैयार करने का सुझाव दिया गया है। आजीवन सीखते रहने के लिए प्रयासरत रहने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुसंधान सहयोग को मजबूत करने का भी सुझाव प्रतिनिधियों ने दिया। इसे फाइनल ड्राफ्ट में शामिल कराया गया है। जी20 में अफ्रीकी संघ को शामिल सोविट ने कहा कि खुद प्रधानमंत्री की ओर से भी पूर्व में हुए सम्मेलन में जी20 देशों के प्रतिनिधियों को इस आशय का पत्र लिखकर अफ्रीकन यूनियन को जी20 की सदस्यता देने की बात कही गई थी। अब वाई20 प्रतिनिधियों की मुहर लग गई है। वाई20 के प्रतिनिधियों ने अंतिम दिन रविवार को काशी विश्वनाथ धाम पहुंचकर बाबा के दर्शन किए। उन्हें विश्वनाथ कॉरिडोर के बारे में भी बताया गया। शाम को रविदास घाट से दो क्रूज पर सवार होकर जल विहार भी किया। दशाश्वमेध घाट की गंगा आरती भी देखी।

तीखी धूप से बढ़ी उमस, पारा 35 के पार, वाराणसी में आज से अच्छी बारिश के आसार

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। मानसून की सक्रियता की वजह से जुलाई महीने में अच्छी बारिश हुई। अगस्त के शुरुआत में भी बारिश हुई, लेकिन उसके के अनुसार अगले तीन दिन तक अच्छी बारिश के आसार हैं। मानसून की सक्रियता की वजह से जुलाई महीने में अच्छी बारिश हुई। अगस्त के शुरुआत में भी

बाद मानसून ने मुंह मोड़ लिया। इस कारण दिन में तेज धूप हो रही है। पिछले सप्ताह बारिश के बाद एक बार फिर मौसम ने करवट ले ली है। दिन में तीखी धूप होने के साथ ही तापमान में भी बढ़ोतरी हो रही है। लोग गर्मी से परेशान हो गए हैं। रविवार को अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। मौसम विभाग बारिश हुई, लेकिन उसके बाद मानसून ने मुंह मोड़ लिया। इस कारण दिन में तेज धूप हो रही है। रविवार को भी सुबह से ही तीखी धूप रही। हवा में भी नमी न होने से लोग गर्मी से परेशान हो गए। बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक प्रो. मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि सोमवार से मौसम का मिजाज बदल सकता है। इसके बाद अगले तीन दिन तक रुक रुककर हल्की से तेज बारिश के आसार हैं।

घर में घुसकर बदमाशों ने परिवार को बनाया बंधक

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। वाराणसी से एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। बड़ा लालपुर की वीडीए कॉलोनी फेज-1 स्थित एक फ्लैट में दो

बदमाशों ने पूरे परिवार को बंधक बना लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ढाई घंटे की मशक्कत के बाद परिवार को बंधक से मुक्त कराया। गिरफ्त में आए दोनों आरोपियों से पुलिस की पूछताछ जारी है। वाराणसी के बड़ा लालपुर की वीडीए कॉलोनी फेज-1 में रविवार दोपहर सनसनीखेज घटना घटी। एनटीपीसी के रिटायर्ड इंजीनियर के मकान में रविवार की दोपहर चाकू लेकर दो बदमाश घुसे। बदमाशों ने ढाई साल की बच्ची के गले पर चाकू सटा कर उसे और उसकी शिक्षिका मां को बंधक बना लिया और 10 लाख रुपये की फिरौती मांगी। रुपये न देने पर जान से मारने की धमकी दी। सूचना पाकर पुलिस आयुक्त मुथा अशोक जैन सहित छह थानों की पुलिस, क्राइम ब्रांच और पीएसी मौके पर पहुंची। करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद दोनों बदमाशों को दबोच कर उनके चंगुल से मां-बेटी को मुक्त कराया गया। धरपकड़ के दौरान बदमाशों का चाकू एसीपी कैंट के हाथ में दो-तीन जगह लगा, लेकिन उन्होंने उसकी परवाह न करते हुए उन्हें पकड़े ही रखा। शिक्षिका को भी चाकू से खरोंच लगी है। बदमाशों की पहचान चोलापुर क्षेत्र के भटपुरवाकला निवासी विश्वजीत कुमार गोंड और बिहार के भभुआ के रामगढ़ के मनीष पासवान उर्फ प्रिंस के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक घटना का मास्टरमाइंड विश्वजीत है। सोमवार को दोनों को अदालत में पेश किया जाएगा। बैग लिए हुए नकाबपोश दो बदमाश घर में घुसे शिवपुर थाना क्षेत्र के बड़ा लालपुर की वीडीए कॉलोनी फेज-1 में एनटीपीसी से रिटायर्ड इंजीनियर भाईलाल पत्नी विद्या रानी के साथ ही दो बेटों, दो बहुओं और पोती के रहते हैं। रविवार की दोपहर लगभग एक बजे मकान के भूतल स्थित पहले कमरे में भाईलाल अपनी ढाई साल की पोती मैत्री के साथ सो रहे थे और दरवाजा खुला था।

पुलिस महकमे में मचा हड़कंप

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस महकमा सांसत में आ गया। एसीपी कैंट डॉ. अतुल अंजान त्रिपाठी व शिवपुर थानाध्यक्ष वैद्यनाथ सिंह अन्य थानों की फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। कुछ देर में ही पीएसी और पुलिस बल के साथ डीसीपी वरुणा जोन अमित कुमार भी आ गए। इसके साथ ही पूरे इलाके को सील कर दिया गया। एसीपी कैंट रिटायर्ड इंजीनियर के परिवार का सदस्य बनकर घर के अंदर गए। बदमाशों से बात की और उनकी नियत भांप कर बाहर आ गए।

शब्दावली काव्योत्सव एवं बाल काव्य प्रतियोगिता में जमकर बरसा काव्य रस

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। नोएडा सेक्टर 49 बरौला स्थित साहित्य सदन में एक काव्योत्सव व बाल काव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ठसाहित्य वेलफेयर कल्चरल एंड स्पोर्ट्स फेडरेशनठ (पंजी0) के तत्वावधान में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में देश के तमाम रचनाकारों ने शिरकत की। इस दौरान आयोजित बाल काव्य प्रतियोगिता में कई बच्चों ने हिस्सा लिया। संस्था के चेयरमैन व कवि पंडित साहित्य कुमार चंचल ने बताया कि इस बाल काव्य प्रतियोगिता में ग्रामीण परिवेश के 5 बच्चों फिजा, इसरा , आदित्य , योगेश और भूमिका ने भरे सदन में अपनी स्वरचित कविताएं सुनाई। पंडित चंचल ने कहा कि संस्था का मकसद उन बच्चों को मंच अथवा प्लेटफार्म प्रदान करना है, जो छुपी हुई प्रतिभाएं है। इस दौरान बच्ची शब्दावली ने शिव रुद्राष्टकम सुना कर पूरे सभागार का ध्यानाकर्षण किया। वरिष्ठ व्यंग्यकार व कवि बाबा कानपुरी के सानिध्य में आयोजित इस काव्योत्सव की अध्यक्षता नोएडा प्राधिकरण के पूर्व अधिकारी एस पी गौड़ ने की। वहीं मुख्य अतिथि के रूप में नवरत्न फाउंडेशन के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव रहे। अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में भारत सरकार के पूर्व अधिकारी व हास्य कवि किशोर श्रीवास्तव उपस्थित रहे। बतौर विशिष्ट अतिथि प्रख्यात गीतकार डॉ अशोक मधुप , वरिष्ठ साहित्यकार जे पी रावत और ग्वालियर से आए कवि राम अवध विश्वकर्मा रहे। कार्यक्रम का संचालन कवि अभिमन्यु पाण्डेय आदित्य ने किया। मशहूर ग़ज़लकारा तूलिका सेठ ने सरस्वती वंदना कर इस काव्योत्सव का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में देश के जाने माने रचनाकारों ने अपनी रचनाओं से सदन को आनंदित कर दिया। उपरोक्त कवियों के साथ साथ यहां विनय विक्रम , ताबिश खैराबादी , अभिलाषा सिंह, सतीश दीक्षित ,सत्यार्थ दीक्षित , सुरेंद्र शर्मा , मीनाक्षी दिनेश , सविता सिंह शमा , सुमित अग्रवाल , अलका मिश्रा, डॉ सुशील शैली आदि रचनाकारों ने जमकर काव्यधारा बहाई। कार्यक्रम में संस्था के सचिव प्रिया मिश्र ने सभी का धन्यवाद किया।

सुदामा चरित्र एवं परीक्षित मोक्ष के साथ श्रीमद्भागवत कथा का विराम

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। नोएडा सेक्टर 134 स्थित जेपी ग्रीन विश टाउन सोसायटी द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन कथा व्यास डॉक्टर निधि तेलंग ने सुदामा चरित्र और परीक्षित मोक्ष प्रसंग का सुंदर वर्णन किया। सुदामा जी जितेंद्रिय एवं भगवान कृष्ण के परम मित्र थे। भिक्षा मांगकर अपने परिवार का पालन पोषण करते । गरीबी के बावजूद भी हमेशा भगवान के ध्यान में मग्न रहते। पत्नी सुशीला सुदामा जी से बार बार आग्रह करती कि आपके मित्र तो द्वारकाधीश हैं उनसे जाकर मिलो शायद वह हमारी मदद कर दें। सुदामा पत्नी के कहने पर द्वारका पहुंचते हैं और जब द्वारपाल भगवान

कृष्ण को बताते हैं कि सुदामा नाम का ब्राम्हण आया है। कृष्ण यह सुनकर नंगे पैर दौड़कर आते हैं और अपने मित्र को गले से लगा लेते । उनकी दीन दशा देखकर कृष्ण के आंखों से अश्रुओं की धारा प्रवाहित होने लगती है। सिंघासन पर बैठाकर कृष्ण जी सुदामा के चरण धोते हैं। सभी पटरानियां सुदामा जी से आशीर्वाद लेती हैं। सुदामा जी विदा लेकर अपने स्थान लौटते हैं तो भगवान कृष्ण की कृपा से अपने यहां महल बना पाते हैं लेकिन सुदामा जी अपनी फूंस की बनी कुटिया में रहकर भगवान का सुमिरन करते हैं। अगले प्रसंग में शुकदेव जी ने राजा परीक्षित को सात दिन तक श्रीमद्भागवत कथा सुनाई जिससे उनके मन से मृत्यु का भय निकल गया। तक्षक नाग आता है और राजा परीक्षित को काट लेता है। राजा परीक्षित कथा श्रवण करने के कारण भगवान के परमधाम को पहुंचते है। इसी के साथ कथा का विराम हो गया। आयोजन समिति के प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने बताया कि 20 अगस्त दिन रविवार को प्रातः 8 बजे से हवन यज्ञ होगा एवं दोपहर 12 बजे से भंडारे का आयोजन होगा। श्रीमद्भागवत कथा हमें जीवन जीने की कला सिखाती है। कथा हमारे अज्ञानता और अहंकार को नष्ट कर सकारात्मकता व भक्ति से जोड़ती है। नई पीढ़ी को संस्कारों से जोड़े रखने के लिए समय समय पर धार्मिक आयोजन अति आवश्यक हैं।इस अवसर पर आयोजन समिति के प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे, के के मिश्रा, राजेंद्र शर्मा, टी आर शर्मा , आशुतोष पांडे, अशोक कक्कड़, मेहरा जी, सुभाष तैलंग सहित तमाम भगवत्प्रेमी भक्त मौजूद रहे।

वाराणसी में भाई की जगह परीक्षा देने पहुंचा सॉल्वर गिरफ्तार, ऐसे पकड़ा गया मुन्ना भाई

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी।केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा के दौरान रविवार को वाराणसी के हरपालपुर स्थित केंद्र से एक सॉल्वर गिरफ्तार किया गया। वह अपने भाई की जगह पर परीक्षा देने पहुंचा था। केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटेट) में रविवार को वाराणसी के हरपालपुर स्थित केंद्र से एक सॉल्वर गिरफ्तार किया गया। अपने भाई की जगह परीक्षा देने पहुंचे सॉल्वर को जेल भेज दिया गया। केंद्र प्रबंधक की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया। हरपालपुर के स्कूल प्रबंधक चंद्र धर तिवारी के अनुसार सीटेट के लिए अभ्यर्थियों की जांच चल रही थी। कक्ष निरीक्षकों ने प्रवेश पत्र की जांच शुरू की तो एक अभ्यर्थी के फोटो और नाम में अंतर पाया गया। मिलान के बाद पुष्ट हुआ कि यह फर्जी परीक्षार्थी है तो उसे अलग लेकर पूछताछ शुरू हुई। इस बीच सोनभद्र के भरसाही निवासी प्रेमप्रकाश शुक्ला ने पूरी सच्चाई उगल दी।

खिलौना - इंडिया टॉयज एंड गेम्स में आने वाले अंतर्राष्ट्रीय खरीददार प्रतिनिध विक्रेताओं ने खूब सराहा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। नोएडा खिलौना-इंडिया टॉयज एंड गेम्स फेयर का दूसरा संस्करण 18 से 20 अगस्त 2023 तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें कई व्यापारिक आगंतुक और प्रदर्शक स्टॉल आकर्षक उत्पादों के प्रतिभाग कर रहे हैं। हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) के अध्यक्ष श्री दिलीप बैद ने बताया कि ङ्खपहले दो दिनों के दौरान अच्छी संख्या में खरीदारों ने मेलों का दौरा किया और भारत में बने खिलौनों और खेलों, विशेष रूप से कलेक्टेबल वस्तुओं, टिकाऊ और प्रौद्योगिकी आधारित उत्पादों की सोर्सिंग में अपनी रुचि साझा की। उन्होंने इस बात की खुशी जाहिर की कि इस आयोजन में देखने, सीखने, अनुभव करने और प्राप्त करने के लिए बहुत कुछ है। इसके साथ ही उन्होंने प्रसन्नता जताई कि इस तरह का सेक्टोरल शो आयोजित किया गया। आयोजन में रोबोटिक्स, नए स्टार्ट-अप के उत्पाद, विरासत ओर पारंपरिक खिलौने, युवा समूहों से जुड़े खिलौने और सीखने और थेरेपी वाले खिलौनों ने कई लोगों को आकर्षित कियाङ्ग। ईपीसीएच के उपाध्यक् (द्वितीय) डॉ. नीरज खन्ना ने कहा, ङ्खहैम्लेज़ (खरीद और सोर्सिंग टीम), अमेज़ॅन, लुलु

इंटरनेशनल मॉल, रिलायंस रिटेल, आईकेईए, स्केचर्स और आईटीसी समूह के खरीदारों के एक प्रतिनिधिमंडल ने खिलौना-इंडिया टॉयज एंड गेम्स मेले का दौरा किया और प्रदर्शकों के साथ व्यापार किया। इन ब्रांडों की क्रय-टीम शो से खुश और संतुष्ट थी और इस पैमाने पर इस मेले के आयोजन के लिए ईपीसीएच के प्रयास की सराहना की आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने साझा किया, ङ्खप्रत्यक्ष खरीदारों और ब्रांड प्रतिनिधियों के अलावा, मेले में खिलौना संग्राहकों और उत्साही लोगों को बहुत पुरानी यादों और उत्साह के साथ स्टालों पर आते देखा जा रहा है। जहां पुराने ज़माने की विरासत गुड़िया और हाथ से बने यंत्रीकृत खिलौने लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं, वहीं लघु खिलौने और संग्राहक मॉडल को भी बहुत से खरीदार मिल रहे हैं। प्रौद्योगिकी और डिजाइन नवाचार वाले खिलौने भी लोगों का ध्यान खींच रहे हैं, इन खिलौनों के खंडों को मौलिकता बरकरार रखते हुए नया रूप दिया जा रहा है - यह सब छवि को सुदृढ़ करने और समुचित वैश्विक उपस्थिति के लिए आवश्यक है। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक, श्री आर के वर्मा ने इस मौके पर बताया, ङ्खउद्योग के विकास और भविष्य के विकास के लिए ज्ञान, जागरूकता और आगे का रास्ता महत्वपूर्ण है। भारतीय खिलौने और गेम्स क्षेत्र अपनी विशाल अंतरराष्ट्रीय बाजार पहुंच और विस्तार की ओर बढ़ रहा है। इस क्षेत्र और विकास को गति देने के लिए विशेष रूप से एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया है। 'मेड इन इंडिया टॉयज इंस्पायरिंग क्रिएटिविटी एंड एनकरेजिंग न्यू-एज इनोवेशन' विषयक इस पैनल चर्चा में आज प्रख्यात वक्ताओं और डोमेन विशेषज्ञों ने प्रतिभाग किया, जिन्होंने भविष्य के लिए एक सामूहिक दृष्टिकोण की दिशा में विशेषज्ञता और ज्ञान साझा करने का प्रस्ताव रखा। इसमें खिलौने और खेल निर्माताओं और हितधारकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। भारतीय खिलौना उद्योग वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ने वाले उद्योगों में से एक है, जिसके 2028 तक 3 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। यह 2022-28 की अवधि में 12ङ्क की सीएजीआर से बढ़ रहा है। घरेलू बाज़ार का आकार वर्तमान में अनुमानित मूल्य 1.5 बिलियन अमरीकी डॉलर है। भारत का खिलौना निर्यात वर्ष 2018-19 में 203.42 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2022-23 में 325.72 मिलियन अमेरिकी डॉलर पहुंच गया है।

रविंद्र सिंह यादव प्रदेश सचिव अपना दल एस पार्टी के नेतृत्व में रेलवे क्रॉसिंग के मांग को लेकर के किया गया विशाल विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार सेवा)
ओबरा सोनभद्र । ब्लाक चोपन ग्राम पंचायत पनारी के कड़िया गांव में विगत कई वर्षों से जनता के मांग को लेकर के रविंद्र सिंह यादव संघर्ष कर रहे हैं उनके द्वारा बताया गया कि पत्र के माध्यम से जिले के जिला अधिकारी महोदय, रेलवे विभाग के अधिकारी डी आर एम , ओबरा विधानसभा विधायक संजय गौड़ राज्य मंत्री , जिले के सांसद सभी को पत्र के माध्यम से एक बार नहीं चार - चार बार अवगत कराया जा चुका है उनके द्वारा सिर्फ आश्वासन मिला है आज धीरे-धीरे करीबन 3 साल हो गए संघर्ष करते हुए लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हो पाया है जब मिला है तो झूठा आश्वासन मिला है रेलवे क्रॉसिंग अंडरपास या ओवर ब्रिज ना होने के वजह से जनता आए दिन कट रही है मर रही है एक्सीडेंट हो रहा है मोटरसाइकिल का चैंबर फट जा रहा है इसी रास्ते से छोटे-छोटे बच्चे बच्चियां माताएं बहने बुजुर्ग सभी आते जाते हैं उनके ऊपर भी दुर्घटना की शंका हमेशा बनी रहती है क्रॉसिंग के अभाव में क्षेत्र में ना तो एंबुलेंस आपाती है और ना ही जा पाती है यहां के जनता को यातायात का कोई सुविधा नहीं मिल पता है क्षेत्र का समूचा विकास रुक गया है यहां की जनता अंधकार में अपना जीवन व्यतीत कर रही है क्रासिंग के समस्या को निदान के लिए विरोध प्रदर्शन के माध्यम से सरकार से मांग किया गया है कि जल्द से जल्द हमारे मांगों को पूर्ण किया जाए अन्यथा हम लोग इसी रेलवे ट्रैक पर धरना देने के लिए बाध्य हो जाएंगे जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी स्थानीय जनता में मुख्य रूप से ईश्वर केसरी ,रमेश केसरी ,अमरेश केसरी ,रामसूरत प्रजापति, मुन्ना यादव ,राजमणि यादव ,छोटेलाल बैगा ,बद्री डॉक्टर ,छोटू गोंड जैसे आदि लोग उपस्थित रहे।

रेल-रोड वाहन की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)
करमा। स्थानीय कस्बे में रेल लाइन के समीप शुक्रवार की शाम रेल-रोड वाहन की चपेट में आने से अधेड़ की मौत हो गई। शनिवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।करमा थाना क्षेत्र के पांडे पोखर गांव निवासी हीरामन (56) किसी काम से करमा गए थे। वह लघुशंका के लिए रेलवे लाइन के किनारे गए थे। इसी दौरान अचानक रेल-रोड वाहन (रेलवे पटरी ठीक करने वाला वाहन) पटरी पर आ गया। इसकी चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों व करमा पुलिस की मदद से उन्हें 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। रात में ही परिजन अस्पताल पहुंच गए। प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि शनिवार को शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।

दुद्धी के साथ वादाखिलाफी कर रही है सरकार

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुद्धी। लंबे समय से दुद्धी को जिला बनाने की मांग कर रहे लोगों ने शनिवार को जोरदार प्रदर्शन किया। जिला बनाओ संघर्ष मोर्चा के बैनर तले जिला बनाओ-विकास कराओ का नारा बुलंद करते हुए कचहरी गेट से जुलूस निकालकर तहसील परिसर पहुंचे और ज्ञापन सौंपा। दुद्धी और सिविल बार के अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्य से विरत रहकर आंदोलन को समर्थन दिया।सिविल बार के अध्यक्ष रामलोचन तिवारी, दुद्धी बार के अध्यक्ष रामपाल जौहरी और जिला बनाओ संघर्ष मोर्चा के महासचिव प्रभु सिंह ने भाजपा के नेताओं पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया। कहा कि विगत चुनाव में सत्ताधारी दल के कई नेताओं ने वादा किया सरकार बनने पर दुद्धी को जिला बनाएंगे। अब सरकार बन जाने पर दुद्धी को जिला बनाने की उनकी मंशा नहीं है। प्रस्तावित जिले में दुद्धी तहसील के 305 राजस्व ग्राम और ओबरा तहसील के 84 राजस्व ग्राम शामिल हैं। तहसील के अंतर्गत 14 थाना तथा 5 विकास खंड कार्यालय कार्यरत हैं। इसकी आबादी 14 लाख और क्षेत्रफल 3380 किलोमीटर है। प्रदर्शन में प्रेमचंद यादव, आई जेड खान, कुलभूषण पांडेय, राकेश श्रीवास्तव, रामजी पांडेय, उमेश गुप्ता, पीसी गुप्ता, वीरेंद्र, रेणु आदि शामिल रहे।

अंडरपास बनाने के लिए ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार सेवा)
ओबरा। स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पनारी के कड़िया गांव में चोपन-सिंगरौली रेल लाइन पर अंडरपास या ओवरब्रिज की मांग को लेकर शनिवार को ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। नेतृत्व कर रहे रवींद्र सिंह यादव ने बताया कि इस रेल लाइन पर कहीं भी क्रॉसिंग, अंडरपास या ओवर ब्रिज नहीं होने से ग्रामीणों को मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है।बीते दो-तीन वर्षों में कई कई बार उच्चाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को पत्र देकर गुहार लगाई गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं की गई। बताया कि रेलवे क्रॉसिंग अंडरपास या ओवर ब्रिज ना होने के वजह से जनता आए दिन दुर्घटना का शिकार हो रही है। रेलवे लाइन से मोटरसाइकिल पार करने पर उसका चैंबर फट जा रहा है। प्रतिदिन रेलवे लाइन पार कर छोटे-छोटे बच्चे बच्चियां, माताएं बहनें, बुजुर्ग सभी आते जाते हैं। इससे दुर्घटना की आशंका हमेशा बनी रहती है। जल्द से जल्द मांगों को पूरा करने की मांग किया। प्रदर्शन में ईश्वर केसरी, रमेश केसरी, अमरेश केसरी, रामसूरत प्रजापति, मुन्ना यादव, राजमणि यादव, छोटेलाल बैगा, बद्री डॉक्टर, छोटू गोंड आदि शामिल रहे।

स्याही कांड पर दारा सिंह चौहान बोले सपा प्रत्याशी के इशारे पर हुई घटना

(आधुनिक समाचार सेवा)
मऊ। घोसी विधानसभा सीट के उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी दारा सिंह चौहान के चेहरे पर एक युवक काली स्याही फेंककर फरार हो गया। दारा सिंह चौहान ने इसके लिए समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। मऊ जिले की घोसी विधानसभा सीट पर पांच सितंबर को उपचुनाव होना है। इसके लिए भाजपा प्रत्याशी दारा सिंह चौहान ने चुनाव प्रचार में पूरी ताकत झोंक दी है। रविवार को प्रचार पर निकलने के दौरान भाजपा प्रत्याशी दारा सिंह चौहान के चेहरे पर एक युवक काली स्याही फेंककर फरार हो गया। घटना अदरी चट्टी के पास दोपहर में हुई। जानकारी होते ही पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई। पुलिस एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मीडिया से बात करते हुए भाजपा प्रत्याशी दारा सिंह चौहान ने कहा कि विरोधी पार्टी हार के डर से बौखला गई है। उन्होंने सपा के प्रत्याशी सुधाकर सिंह पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके इशारे पर कार्यकर्ताओं ने यह कृत्य किया है। दोषी को कठोर दंड मिलना चाहिए। बढ़ती लोकप्रियता से समाजवादी पार्टी बौखलाई बताया कि उन्होंने उच्चाधिकारियों को अवगत करा दिया है। जो भी इसमें संलिप्त पाया जाएगा, उस पर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ की बढ़ती लोकप्रियता से समाजवादी पार्टी बौखला गई है। इसी वजह से मुझ पर स्याही फेंकी गई है। जनता इसका जवाब ईवीएम में बटन दबा कर देगी।सपा प्रत्याशी सुधाकर सिंह ने कहा कि हार के डर से भाजपा के उम्मीदवार बौखला गए हैं। कहा कि 40 साल के अपने राजनीतिक कैरियर में उन्होंने किसी को तुम तक नहीं बोला। फिर किसी पर स्याही कैसे फिंकवा सकते हैं। कहा कि जिसने भी यह कृत्य किया है, उसकी घोर निंदा करते हैं। कहा कि भाजपा प्रत्याशी का नाम लेने वाला विधानसभा में कोई नहीं है। चर्चा में रहने के लिए इस तरह की हरकत की गई है। उन्होंने मांग की मामले की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। स्वागत के लिए खड़े थे भाजपा कार्यकर्ता, स्याही फेंक कर भाग गया युवक भाजपा प्रत्याशी दारा सिंह चौहान कोपागंज ब्लॉक के अदरी स्थित एक कॉलेज में जन चौपाल के बाद दूसरे कार्यक्रम के लिए जा रहे थे। अदरी चट्टी पर भाजपा कार्यकर्ता उनके स्वागत के लिए खड़े थे। यहां दारा सिंह चौहान गाड़ी से उतर गए। कार्यकर्ता उनका स्वागत कर रहे थे, इसी दौरान एक युवक ने उनके चेहरे पर काली स्याही फेंक दी। इससे अफरातफरी मच गई, तब तक मौका पाकर आरोपी भाग गया। इस घटना के थोड़ी देर बाद ही घोसी, कोपागंज थानों की पुलिस फोर्स पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में अदरी पहुंच गई, कोपागंज पुलिस एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। कोपागंज एसओ अमित मिश्रा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। भाजपा प्रत्याशी पर स्याही फेंकने की घटना जिले में चर्चा का विषय बनी रही। थोड़ी ही देर में यह खबर व्हाट्सएप, फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर नजर आने लगी।

जल विद्युत गृह से आज और कल बाधित रहेगी आपूर्तिरेणुकूट। पिपरी स्थित रिहंद जल विद्युत गृह में 20 अगस्त को ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाने का कार्य होगा। जिससे सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक जल विद्युत गृह से बिजली आपूर्ति ठप रहेगी। इसकी जानकारी विद्युत वितरण खंड पिपरी के अधिशासी अभियंता सुजीत गुप्ता ने दी।उन्होंने बताया कि 21 अगस्त को भी सुबह नौ बजे से दोपहर 12 बजे तक आपूर्ति बाधित रहेगी। जल विद्युत गृह पिपरी पोषित होने वाले 33/11 केवी नई दुद्धी, नधिरा, नई पिपरी एवं कनहर उपकेंद्रों से संबंधित सभी क्षेत्र के विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेंगे। पहले दिन करीब सात घंटे और दूसरे दिन तीन घंटे आपूर्ति बाधित रहेगी। अधिशासी अभियंता ने रेणुकूट, खाड़पाथर, म्योरपुर, दुद्धी, बभनी, बीजपुर क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं को अपने स्तर से जलापूर्ति की व्यवस्था कर लेने की अपील की है, ताकि विद्युत आपूर्ति बाधित होने के दौरान उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो सके।

करंट की चपेट में आने से युवती की मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)
बीजपुर। थाना क्षेत्रांतर्गत सिरसोती गांव में शनिवार की सुबह घरेलू कार्य करते वक्त करंट की चपेट में आने से युवती की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी सीएचसी भेज दिया।पुलिस के मुताबिक सिरसोती निवासी दुर्गावती (18) पुत्री कुंजल प्रसाद विश्वकर्मा शनिवार को घर में सफाई कर रही थी। घर के कोने में स्टैंड वाला पंखा रखा था, जो चल रहा था। सफाई करते समय दुर्गावती ने पंखे को छू दिया। पंखा में करंट आने से वह उसकी चपेट में आकर झुलस गई। युवती की चीख पुकार सुनकर पहुंचे घरवाले उसे रिहंद चिकित्सालय ले गए, जहां डॉक्टरो ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रभारी निरीक्षक मिथिलेश मिश्र ने बताया कि कमरे में पोछा लगाते समय करंट की चपेट में आने से युवती की मौत हुई है।

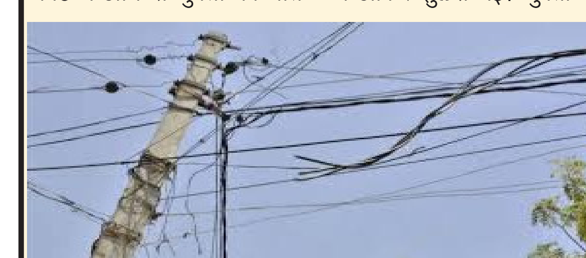

मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में 1776 मरीजों का हुआ उपचार

(आधुनिक समाचार सेवा)
मिर्जापुर। स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में 1776 मरीजों का उपचार किया गया। इनमें 747 पुरुष, 748 महिला और 281 बच्चे शामिल हैं।

मेले में ज्यादातर वायरल फीवर व आई फ्लू से पीड़ित मरीज पहुंचे।जिगना क्षेत्र के न्यू पीएचसी नरोइया, अकोढ़ी, विरौरा, विजयपुर, बिहसड़ा (कुशहा) में आयोजित मेले में कुल 204 रोगियों का इलाज किया गया।न्यू पीएचसी विजयपुर में डॉ. पुनीत वर्मा, होम्योपैथ के डॉ. डीके मिश्र, डॉ. ज्योतिर्मय सिंह, डॉ. सिद्धिनाथ दुबे आदि ने लोगों का संचारी रोगों के प्रति जागरूक भी किया। हलिया क्षेत्र के न्यू पीएचसी मतवार, ड्रमंडगंज, बरौंधा में 171 लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर दवा वितरित की गई। न्यू पीएचसी मतवार में डॉ.अभिषेक जायसवाल, न्यू पीएचसी ड्रमंडगंज में डॉ. निर्मल की देखरेख में मरीजों का उपचार किया गया। प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ.कामेश्वर तिवारी ने मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का निरीक्षण किया। जमालपुर क्षेत्र के भाईपुर कला में डॉ.सत्येंद्र सिंह के नेतृत्व में 78 एवं देवरीला में डॉ. मनोज यादव की देखरेख में 72 मरीजों का इलाज किया गया। मेले में आई फ्लू, वायरल फीवर, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर आदि के मरीज पहुंचे।

घर में घुसकर की चोरी जाग जाने पर पीटा भी अब नहीं सुन रही पुलिस

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। एसपी साहब आंख से अंधा हूं, मेरी पत्नी ने घर में चोरी होते देखा। विरोध करने पर मुझे और मेरी पत्नी की पिटाई की गई। रात में दरवाजे पर हुई पिटाई की सूचना शाहगंज थाने में भी दिया, मगर कोई कार्रवाई नहीं हुई। मैं गरीब हूं, मेरी कहीं सुनवाई नहीं हो रही। सदर तहसील में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंचे शाहगंज के कुसरट निवासी पत्तू ने प्रार्थना पत्र देते हुए गुहार लगाई। एसपी ने मामले में गंभीरता दिखाते हुए संबंधित को जांच कर त्वरित कार्रवाई करते हुए अवगत कराने का निर्देश दिया।सदर तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस पर कुल 118 मामले आए। इसमें 17 का समाधान हुआ। सीडीओ सौरभ गंगवार और एसपी डॉ. यशवीर सिंह की मौजूदगी में शिकायतें सुनी गईं। इस दौरान सरकारी भूमि पर कब्जे, जल निकासी, सड़क, पेयजल, भूमि की नापी में लेखपालों की मनमानी सहित अन्य शिकायतें रहीं। घोरावलः विंध्याचल मंडल के आयुक्त डॉ. मुथुकुमार स्वामी बी. की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। कुल 60 शिकायतों में से 12 का मौके पर निस्तारण हुआ। मंडलायुक्त ने अधिकारयों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्राप्त शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण तरीके से निस्तारण करते हुए शिकायतकर्ता का फीडबैक भी लें। जमीन संबंधी प्रकरणों के निस्तारण के लिए राजस्व व पुलिस विभाग के कार्मिकों की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर भेजी जाय । इस मौके पर एडीएम सहदेव कुमार मिश्र, एएसपी कालू सिंह, एसडीएम राजेश सिंह आदि मौजूद रहे। दुद्धीः स्थानीय तहसील में शनिवार को एडीएम आशुतोष दुबे की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 45 प्रार्थनापत्र पड़े। इनमें से आठ का मौके पर ही निस्तारण किया गया। चार मामलों में निस्तारण के लिए संयुक्त टीम भेजी गई। इस मौके पर सीओ दद्दन प्रसाद गोंड, तहसीलदार ब्रजेश वर्मा आदि मौजूद रहे। ओबरा एसडीएम प्रभाकर सिंह की अध्यक्षता में 20 शिकायतें सुनते हुए मौके पर ही 04 मामलों का निस्तारण किया गया। अन्य 16 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। पेंशन के नाम पर बैनामा करा लिया जमीन साहब पढ़ा लिखा नहीं हूं। मेरी जमीन पन्नूगंज थाना क्षेत्र के बेलखुड़ गांव में है। मेरे मूल गांव बैरगढ़ नौगढ़ के रहने वाले एक व्यक्ति ने वृद्धा पेंशन दिलाने के नाम पर राबर्ट्सगंज ले आए। कई पन्नों पर हस्ताक्षर करा लिया। कुछ महीने बाद मेरी जमीन पर कब्जा करने लगे। तब जानकारी हुई कि बिना एक रुपये दिए ही मेरी जमीन को एक व्यक्ति ने बैनामा करा लिया है। -गोवर्धन। साहब रास्ते पर हो रही खेती, दे रहे धमकी गांव के कुछ लोगों ने चकरोड को जोत लिया है। इससे आवागमन में दिक्कत हो रही है। विरोध करने पर मारपीट की जा रही है। थाने में तहरीर देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। कई जगह शिकायत किया, मगर कोई सुनने वाला नहीं है। -सुनीता, अठौना।

तीरंदाजी में भारत को मिली दोहरी खुशी, पुरुष और महिला कंपाउंड टीम ने गोल्ड मेडल पर लगाया निशाना

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारत के कंपाउंड तीरंदाजों ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए विश्व कप के चौथे स्वर्ण पदक जीते। अभिषेक वर्मा ओजस देवतले और प्रथमेश जावकर की चौथी वरीयता प्राप्त भारतीय पुरुष कंपाउंड टीम ने क्रिस शेफ वर्ग में भी पदक की दौड़ में शामिल हैं पुरुष टीम ने की जोरदार वापसी भारतीय पुरुष कंपाउंड टीम पहले दौर के बाद एक अंक से पीछे चल

चरण में शनिवार को यहां पुरुष और महिला टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते। अभिषेक वर्मा, ओजस देवतले और प्रथमेश जावकर की चौथी वरीयता प्राप्त भारतीय पुरुष कंपाउंड टीम ने क्रिस शेफ, जेम्स लुत्ज और सायर सुलिवन की दूसरी वरीयता प्राप्त अमेरिकी टीम को 236-232 से हराया भारत के कंपाउंड तीरंदाजों ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए विश्व कप के चौथे चरण में शनिवार को यहां पुरुष और महिला टीम स्पर्धा में जेम्स लुत्ज और सायर सुलिवन की दूसरी वरीयता प्राप्त अमेरिकी टीम को 236-232 से हराय इस महीने के शुरू में बर्लिन में विश्व चैंपियन बनने वाली ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की कंपाउंड महिला टीम ने मेक्सिको के विरुद्ध कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद एक अंक से जीत दर्ज की। भारत ने इस तरह से सत्र के आखिरी विश्व कप में अभी तक दो स्वर्ण और इतने ही कांस्य पदक जीत लिए हैं। ज्योति व्यक्तिगत रही थी क्योंकि अमेरिकी टीम ने 60 अंक का परफेक्ट स्कोर बनाया था। भारतीय टीम ने हालांकि निरंतरता बनाए रखी और अगले दौर में भी 59 का स्कोर बनाया। दूसरे दौर में अमेरिकी टीम ने दो अंक गंवाए जिससे स्कोर 118-118 से बराबर हो गया। तीसरे दौर में भी दोनों टीमें बराबरी पर रही, लेकिन भारतीय टीम ने चौथे दौर में परफेक्ट 60 का स्कोर बनाया और अपने से अधिक रैंकिंग की अमेरिकी टीम को चार अंकों से हराया।

10 मीटर एयर राइफल में मेहुली घोष ने लगाया ब्रॉन्ज मेडल पर निशाना, पेरिस ओलंपिक का टिकट भी किया हासिल

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। युवा निशानेबाज मेहुली घोष ने शनिवार को यहां विश्व चैंपियनशिप की महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर अगले जिसमें वह चीन की जियाऊ हान (251.4) और झिलिन वांग (250.2) से पीछे रहीं युवा निशानेबाज मेहुली घोष ने शनिवार को यहां विश्व चैंपियनशिप की महिलाओं की

साल होने वाले पेरिस ओलंपिक में भारत के लिए एक कोटा स्थान हासिल किया। कोलकाता की 22 साल की निशानेबाज ने तिलोतमा सेन और रमिता के साथ मिलकर 1895.9 के कुल स्कोर से 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा भी जीती। मेहुली ने फाइनल में 229.8 का स्कोर बनाकर शीर्ष तीन स्थान सुनिश्चित किया 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर अगले साल होने वाले पेरिस ओलंपिक में भारत के लिए एक कोटा स्थान हासिल किया। कोलकाता की 22 साल की निशानेबाज ने तिलोतमा सेन और रमिता के साथ मिलकर 1895.9 के कुल स्कोर से 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा भी जीती।

दूसरे टी-20 मैच मे सरनदीप होंगे ड्रॉप ये तेज गेंदबाज लेगा जगह

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारत रविवार को डबलिन के मलाहाइड क्रिकेट क्लब में तीन मैचों की टी-20 सीरीज के

दूसरे मैच में आयरलैंड से भिड़ेगा। भारत ने पहला मैच दो रन (डीएलएस पद्धति) से जीता और आज सीरीज पर कब्जा करने के इरादे से उतरेगा। मैच से पहले पूर्व भारतीय क्रिकेटर सबा करीम ने बड़ी भविष्यवाणी की है। आयरलैंड के खिलाफ दूसरे मैच में भारत की संभावित प्लेइंग इलेवन के सवाल पर जियो सिनेमा पर सबा करीम ने कहा, ठमुझे एक या दो बदलावों की उम्मीद है क्योंकि यह एक युवा टीम है और एक या दो खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्हें अब तक खेलने का अवसर नहीं मिला है। उदाहरण के लिए, अवेश खान।उन्होंने आगे कहा, 'आवेश खान वेस्टइंडीज दौरे पर गई टी-20 टीम का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला। इसलिए, ऐसी संभावना है कि अर्शदीप सिंह की जगह अवेश को लाया जा सकता है। अर्शदीप का भारतीय टीम के साथ काफी लंबा कार्यकाल रहा है, इसलिए अवेश को आजमाना उचित होगा सबा करीम का साथ देते हुए क्रिकेट विशेषज्ञ सरनदीप सिंह ने कहा, 'आपको निश्चित रूप से कुछ बदलाव करने पर विचार करना चाहिए, क्योंकि आपने कई नए चेहरों को अवसर प्रदान किया है। नए खिलाड़ियों की बात करें तो मैं आवेश खान के बारे में बात करना चाहूंगा। उन्होंने पिछले साल एशिया कप में खेला था और इस साल उन्होंने असाधारण गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए टाटा आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया।बात दें कि अर्शदीप सिंह नई गेंद से विकेट लेने में माहिर हैं, लेकिन स्लॉग ओवर में वह ज्यादा किफायती नहीं साबित होते हैं। कई बार वह ज्यादा रन लुटा जाते हैं। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी-20 मैच में ऐसा ही देखने को मिला था। आखिरी ओवर में अर्शदीप ने काफी रन खर्च कर दिए, जिससे आयरिश टीम का स्कोर 139 पहुंच गया था।

‘लोग सिर्फ तभी हाथ बढ़ाते हैं जब हमष्ठ’ वनडे कप से बाहर होने के बाद छलका पृथ्वी शाह का दर्द

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टीम इंडिया से बाहर चल रहे ओपनर पृथ्वी शॉ इंग्लैंड में एक मैच खेलते हुए चोटिल हो

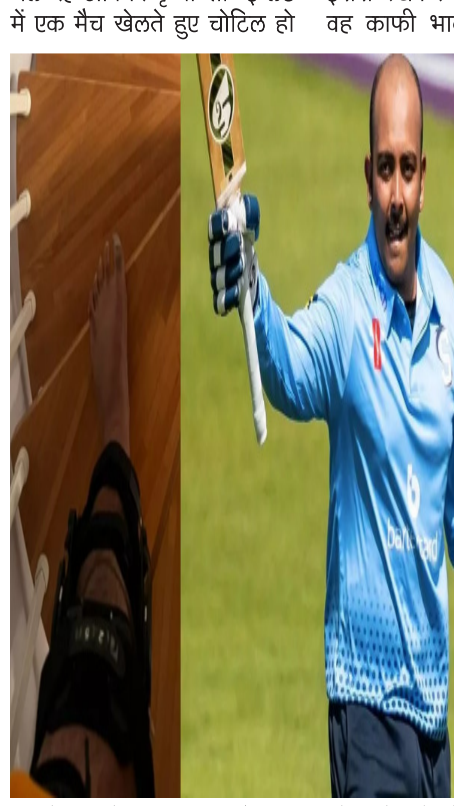

गए थे। इसके बाद वह वनडे कप के पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए। शॉ को डरहम के खिलाफ मैच में चोट लगी थी। इसके बाद अब पृथ्वी शॉ ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टोरी लगाई है और इसके साथ एक मैसेज लिखा है। आइए जानते हैं पृथ्वी ने अपनी स्टोरी पर क्या कैप्शन शॉ ने इस स्टोरी में अपने इंजर्ड पैर की तस्वीर शेयर की है, इससे देखकर माना जा रहा है कि वह काफी भावुक है। हालांकि, इसकी कोई जानकारी नहीं है कि शॉ ने ऐसी स्टोरी क्यों लगाई है बता दें कि इंग्लैंड में वनडे कप के दौरान पृथ्वी शॉ का बल्ला जमकर गरजता हुआ नजर आया था। शॉ ने 4 इनिंग्स में 143 के औसत से कुल 429 रन बनाए थे, जिसमें 2 शतक भी शामिल थे। डरहम के खिलाफ मैच खेलते हुए उनके घुटने में चोट लग गई थी, जिसके बाद वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए उन्होंने सोमरसेट के खिलाफ 153 गेंदों पर 244 रन की शानदार पारी खेली और इंग्लैंड में दूसरा सबसे सर्वाधिक लिस्ट-ए स्कोर बनाया था। पृथ्वी ने 125 रन की नाबाद पारी, 26, 34 रन खेले और टूर्नामेंट में 4 मैच के बाद सबसे ज्यादा रन (429) बनाने वाले बल्लेबाज बने।

बेन स्टोक्स के रिटायरमेंट वापस लेने में नहीं था जोस बटलर का कोई हाथ

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेले जाने वाली वनडे सीरीज से पहले बेन स्टोक्स ने वनडे से संन्यास वापस ले लिया है। बेन उन्होंने कहा है कि भारत में होने वाले विश्व कप के लिए रिटारयमेंट के फैसले को बदलने के लिए उन्हें स्टोक्स को मनाने की जरूरत नहीं पड़ी। ँह एूदवे के रिटायरमेंट से प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि सच कहूं तो बेन बिल्कुल वैसे आदमी हैं, जो अपना फैसला खुद लेना पसंद करते हैं। मैंने उनके साथ काफी लंबे समय तक क्रिकेट खेला

स्टोक्स के रिटायरमेंट से यू-टर्न के फैसले के बाद ये अटकलें लगाई जा रही थी कि इस फैसले में व्हाइट बॉल टीम के कप्तान जोस बटलर का बड़ा हाथ है। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेले जाने वाली वनडे सीरीज से पहले बेन स्टोक्स ने वनडे से संन्यास वापस ले लिया है। बेन स्टोक्स के रिटायरमेंट से यू-टर्न के फैसले के बाद ये अटकलें लगाई जा रही थी कि इस फैसले में व्हाइट बॉल टीम के कप्तान जोस बटलर का बड़ा हाथ है। इस कड़ी में जोस बटलर ने इन अटकलों को गलत बताते हुए चुप्पी तोड़ी है। इस कड़ी में जोस बटलर ने इन अटकलों को गलत बताते हुए चुप्पी तोड़ी है। यू-टर्न लेने के फैसले पर जोस बटलर ने तोड़ी चुप्पी दरअसल, इंग्लैंड के दिग्गज ऑलराउंडर बेन स्टोक्स (ँह एूदवे) ने पिछले साल जून में एकदिवसीय क्रिकेट छोड़ने का फैसला किया था और वर्लोड मैनेजमेंट के चलते उन्होंने ये फैसला लिया था, लेकिन विश्व कप 2023 से पहले उन्होंने इंग्लैंड को मजबूती देने के लिए इस प्रारूप में वापसी करने का एलान किया।उनकी टीम में वापसी हो गई है। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलते हुए नजर आएंगे। आईसीसी से बातचीत करते हुए हाल ही में जोस बटलर (व्देँ लूते) ने बेन स्टोक्स के रिटायरमेंट वापस लेने पर अपनी है और मैं उनका अच्छा दोस्त भी हूं। मेरा उन्हें अपमानित करना और यह कहना कि वापस आओ, वापस आओ वास्तव में बेन के साथ ये सारी चीजें करने का तरीका सही नहीं है।वह बहुत हद तक अपना मन बनाते हैं और खुद ही फैसला लेते हैं। हमने इसके बारे में कुछ बातचीत की थी और इसे उनके ऊपर छोड़ दिया था। मुझे यकीन है कि वह विश्व कप में खेलने का आकर्षण किसी ऐसे व्यक्ति के लिए काफी बड़ा होता है, जो इंग्लैंड की शर्ट पहनकर प्रतिस्पर्धी और प्रेरित होता है। मुझे खुशी है कि उन्होंने इसे स्वीकार किया और वह वापस आए।

बुमराह ने बदला गेंदबाजी का तरीका, स्पीड हासिल करने के लिए बढ़ाया रनअप

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को मैदान पर वापसी करने में 10 महीने 23 दिन का समय लगा, लेकिन इस इंतजार का फल मीठा साबित हुआ, क्योंकि उन्होंने आयरलैंड के विरुद्ध पहले टी-20 मैच में शानदार प्रदर्शन किया। बुमराह ने निकट भविष्य में अपनी चोट को रोकने के लिए गेंदबाजी के तरीके में थोड़ा बदलाव किया। बुमराह ने इसके साथ ही साबित किया कि वह वनडे विश्व कप के दौरान गेंदबाजी में टीम की अगुआई करने के लिए तैयार हैं। बुमराह आयरलैंड के विरुद्ध तीन मैचों की टी-20 सीरीज में टीम की कमान संभाल रहे हैं। भारत ने वर्षा से प्रभावित पहले मैच को जीतकर सीरीज में बढ़त प्राप्त कर ली है और रविवार को दूसरा मैच खेला जाना है पीटीआई से बात करते हुए एनसीए में लेवल तीन के कोच ने कहा, ठअगर आप बुमराह के गेंदबाजी वीडियो को ध्यान से देखें तो वह पहले छह से सात कदम तेजी से दौड़ते थे और फिर गेंद डालते थे। आयरलैंड के विरुद्ध पहले मैच में यह देखने मिला कि उन्होंने अपने रनअप को पहले की तुलना में दी-तीन कदम बढ़ा दिया है।उन्होंने कहा, 'बुमराह पहले लड़ाकू जहाज की तरह थे जो शार्ट रनअप में भी गति से गेंद डालते थे। रनअप से गति नहीं मिलने के कारण उन्हें चोट लगती थी। चोटिल होने के बाद उन्होंने दो-तीन कदम बढ़ा दिए हैं। थोड़ा सा बड़ा रनअप लेने से उन्हें गति बनाने में मदद मिलेगी और गेंद फेंकने के बाद उनके पीठ पर ज्यादा दबाव भी नहीं पड़ेगा। मुझे विश्वास है कि भविष्य में उन्हें चोट से मुक्त रहने में मदद मिलेगी।'भविष्य के भारतीय बल्लेबाजों की सूची में शामिल शिवम दुबे, रुतुराज गायकवाड और रिंकू सिंह जैसे बल्लेबाज उम्मीद कर रहे होंगे कि उन्हें क्रीज पर पर्याप्त समय बिताने का मौका मिलेगा। पहले मैच में अच्छी शुरुआत के बाद आउट होने वाले आरंभिक बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल बड़ी पारी खेलने का प्रयास करेंगे, जबकि पहली गेंद पर आउट होने वाले तिलक वर्मा भी वेस्टइंडीज दौरे की अपनी फार्म बरकरार रखने की कोशिश करेंगे।

राशिफल

मेष-:आज आप अपना लक्ष्य निर्धारित करने के लिए कोई नई योजना बना सकते हैं। घरेलू समस्याओं को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने में आप सफल रहेंगे। इस राशि के जो लोग नौकरी में हैं।

वृष-:आज व्यापार की दृष्टि से शुभ समय है। सब कुछ अपनी सामान्य गति से काम करेगा. नौकरीपेशा जातकों के लिए नए अवसर प्राप्त करने का उत्तम समय है।

मिथुन-:ऑफिस में काम धीमी गति से पूरे होंगे। इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ सकती है. भाई-बहन से किसी बात को लेकर मनमुटाव की स्थिति बन सकती है।

कर्क-:इससे आप अपनी व्यवसाय संबंधी समस्याओं को सुलझाने में पहल और अधिक रुचि ले सकेंगे। साझेदारी आपके लिए कुछ बेहतरीन प्रोत्साहन ला सकती है।

सिंह-:थोड़ी सी मेहनत से आप अपने लक्ष्यों को आसानी से हासिल कर सकते हैं। नए जोड़ों के जीवन में खुशियां बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्य की दृष्टि से आज का दिन बेहतर है।

कन्या-: व्यवसायी अपने व्यावसायिक कौशल और निर्णय लेने की क्षमता के कारण उपलब्ध अवसरों का अधिकतम लाभ उठाएं। आपके लिए आर्थिक लाभ कमाने के अप्रत्याशित रास्ते भी खुलने की संभावना है।

तुला-: घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। आपको अचानक धन लाभ के अवसर मिलेंगे। आपको भाग्य का पूरा सहयोग मिलेगा। घर के बुजुर्ग आपके काम से प्रभावित होंगे।

वृश्चिक-:आपके विरोधी निष्क्रिय रहेंगे और महत्वपूर्ण अधिकारियों से आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आपको अपने सभी प्रयासों में सफलता मिलेगी और आपकी कुछ महत्वाकांक्षाएं पूरी होंगी।

धनु-:किसी काम में आपको सकारात्मक नतीजे मिलेंगे, जिससे आप खुशी महसूस करेंगे। आज कुछ पुराने दोस्तों से मुलाकात होने की भी संभावना है।

मकर-:आज का दिन आपके लिए परेशानी भरा हो सकता है। नौकरीपेशा जातकों के लिए यह समय कठिन हो सकता है। व्यावसायिक दृष्टि से चीजें यथावत रहेंगी।

कुंभ-:आज आपको किसी खास काम में किसी अनुभवी व्यक्ति से मदद मिल सकती है। आप परिवार के साथ कोई मूवी देखने का प्लान बना सकते हैं।

मीन-:आज का दिन उत्तम है। जो लोग परीक्षा या प्रतियोगिता के माध्यम से नौकरी की तलाश में हैं या अपना खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं उन्हें निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए।

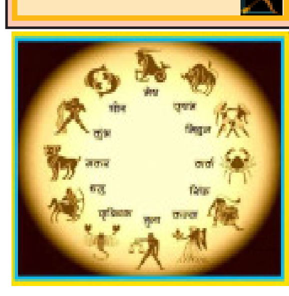

एशिया कप के लिए 15 की जगह 17 खिलाड़ियों को मिलेगी टीम इंडिया में जगह, ऐसा होगा स्क्वाड; देखें पूरी लिस्ट

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। हर भारतीय क्रिकेट फैंस की निगाहें टीम इंडिया की सेलेक्शन कमेटी पर टिकी हुई हैं। एशिया कप 2023 के लिए भारतीय टीम की घोषणा 21 अगस्त को हो सकती है। इस टीम में केएल राहुल और श्रेयस अय्यर को जगह मिल पाती है या नहीं यह कौतूहल का विषय बना हुआ है। एनसीए से जो रिपोर्ट्स आई हैं, उसके अनुसार केएल राहुल फिट हो गए हैं, जबकि श्रेयस अय्यर भी काफी अच्छी स्थिति में हैं भारतीय चयनकर्ता एशिया कप और वनडे वर्ल्ड के लिए फुल स्ट्रेंथ वाली टीम इंडिया उतारना चाहते हैं। इसलिए इस बार 15 की जगह 17 खिलाड़ियों का स्क्वाड हो सकता है। ईएसपीएन क्रिकइंफो के मुताबिक सोमवार को भारतीय टीम का चयन किया जाएगा। पीटीआई के मुताबिक एशिया कप के लिए 15 की जगह 17 सदस्यीय टीम का चयन किया जाएगा। पीटीआई ने 17 सदस्यी भारतीय टीम की घोषणा की है, जिनका चयन किया जा सकता है। इस टीम में केएल राहुल और श्रेयस अय्यर को जगह दी गई है लेकिन अंतिम सेलेक्शन उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। जिन 17 सदस्यों का चयन एशिया कप 2023 के लिए किया जाएगा, उसमें रोहित शर्मा, शुभमन गिल को ओपनिंग जोड़ी के रूप में चुना गया है। यह है एशिया कप के लिए संभावित टीम संभावित भारतीय टीमः- रोहित शर्मा, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, मो. शमी, मो. सिराज, ईशान किशन, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, युजवेंद्र चहल/आर अश्विन।

सम्पादकीय

यूनाइटेड यूनिवर्सिटी को आउटलुक आईसीएआरई रैंकिंग में मिला 9वां स्थान

शिक्षा के क्षेत्र में पिछले 3 दशकों से यूनाइटेड ग्रुप का नाम देश की टॉप यूनिवर्सिटी के लिस्ट में शामिल है। यूनाइटेड यूनिवर्सिटी अपने योग्य और कुशल शिक्षकों की मदद से छात्रों को बेहतरीन शिक्षा के साथ-साथ सही प्रोफेशनल मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में पिछले 3 दशकों से यूनाइटेड ग्रुप का नाम देश की टॉप यूनिवर्सिटी के लिस्ट में शामिल है। यूनाइटेड यूनिवर्सिटी अपने योग्य और कुशल शिक्षकों की मदद से छात्रों को बेहतरीन शिक्षा के साथ-साथ सही प्रोफेशनल मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है। शिक्षा के जगत में

यूनाइटेड यूनिवर्सिटी अपने काबलिय तारीफ प्लेसमेंट रिकार्ड्स के साथ-साथ अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के लिए काफी प्रसिद्ध है। इसी श्रृंखला में यूनाइटेड यूनिवर्सिटी अब आगे बढ़ रही है। यूनाइटेड विश्वविद्यालय को निजी विश्वविद्यालय अधिनियम के तहत राज्य सरकार द्वारा अनुमोदन प्राप्त है, और विश्वविद्यालय को यूजीसी, बार काउंसिल ऑफ इंडिया, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग और भारतीय नर्सिंग परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त है विश्वविद्यालय का ध्येय शिक्षार्थियों को उच्च गुणवत्ता और समकालीन शिक्षा प्रदान करके उनका समग्र विकास करना है। यूनाइटेड यूनिवर्सिटी मेडिकल, नर्सिंग, इंजीनियरिंग मैनेजमेंट एग्रीकल्चर, लॉ, मास कम्युनिकेशन, जर्नलिज्म और एप्लाइड साइंसेज जैसे विभिन्न विषयों में विभिन्न पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इसके अलावा यह यूनिवेर्सिटी ग्रेजुएशन की डिग्री से लेकर पोस्ट ग्रेजुएशन और पीएचडी तक की पढ़ाई के लिए बेस्ट माना जाता है। अपने यहां के छात्रों को वैश्विक स्तर पर रोजगार कुशल बनाने के लिए विशेष रूप से कई और मुख्य पाठ्यक्रम भी प्रस्तुत करता है, जिसमें प्रमुख रूप से ईं- घ्ँश्, ँ.ऊाम्प् - घ्ँश् शामिल है। साथ ही यहां पर फैकल्टी ऑफ लॉ की तरफ से बीए एल एल बी, एल एल बी, एल एल एम, मास कम्युनिकेशन और जर्नलिज्म बीए जेएमसी, डिप्लोम इन होटल मैनेजमेंट, डिजाइनिंग के कोर्सेज, पीएचडी, बीएससी एग्रीकल्चर, एमएससी इन एग्रीकल्चर, बीकॉम, एमकॉम, बीबीए, एमबीए के साथ-साथ कई सारे कोर्सेज में लोग एडमिशन ले सकते हैं। इन कोर्स के अलावा यहां पर फैकल्टी इन मेडिकल साइंसेज भी है, जिसमें एमबीबीस, एमएससी इन मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, एमएससी इन मेडिकल एनाटोमी जैसे कई पाठ्यक्रम शामिल है यूनाइटेड यूनिवर्सिटी अपने बेहतरीन प्लेसमेंट रिकार्ड्स के लिए जाना जाता है। वर्ष 2022-23 में इस यूनिवर्सिटी के छात्रों को अधिकतम 13.2 लाख एलपीए के पैकेज पर प्लेसमेंट हुआ है। साथ ही यहां का औसतन प्लेसमेंट पैकेज 4.3 लाख एलपीए है। यूनाइटेड यूनिवर्सिटी के छात्रों को प्लेसमेंट देने वाली कंपनियों की सूची में देश की जानी-मानी कंपनियों के नाम शामिल है। जैसे यहां के छात्रों का प्लेसमेंट्स टाटा, इंफोसिस, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और फ्लिपकार्ट अन्य नामी कंपनियों में हुआ है। यूनाइटेड यूनिवर्सिटी को मिला 9वां स्थान बीत साल हुए आउटलुक के र्छ्रं रैंकिंग में यूनाइटेड यूनिवर्सिटी को पूरे भारत के अलग-अलग राज्यों में उभरते हुए कई यूनिवर्सिटी में से 9वां रैंक मिला है। यूनाइटेड यूनिवर्सिटी को उसके बेहतरीन शिक्षा व्यवस्था, अच्छे प्लेसमेंट्स रिकार्ड्स और आकर्षक फैकल्टी के लिए ये स्थान मिला है।

समावेशी दृष्टिकोण ने बदली तस्वीर

एक समय साहित्य के तमाम पुरस्कारों पर एक वर्ग और वैचारिकता का कब्जा था। पर इन दिनों चूंकि पिछड़े भी सम्मान पाते हैं, इसलिए हाशिये के समाज का साहित्य अब वाम दौर की भांति साहित्य

के दबंग राजा-बाबू साहब की ठसक के नीचे दम नहीं तोड़ेगा। पिछले दिनों मलयालम साहित्य अकादमी ने नीला-चड़यन कथा संग्रह के लेखक 28 वर्षीय अखिल को अकादमी सम्मान देकर साहित्य की नई संभावना को प्रोत्साहित किया। बाल श्रमिक रहे अखिल की कोई प्रभावी साहित्यिक पृष्ठभूमि नहीं थी, न ही उनका कोई गॉडफादर था। कोरोना काल में पिता की फोटोग्राफी पिट चुकी थी और घरों में पत्र-पत्रिकाएं बांटने के जरिये अक्षरों से उनका संपर्क बचा हुआ था।अखिल की कहानी में मुझे अपनी कहानी दिखी और मैं चिंतित हुआ कि चालीस साल पहले मैं जहां खड़ा था, अफसोस कि आज अखिल के रूप में मेरा प्रतिरूप वहीं खड़ा है। उनकी तो अभी शिक्षा भी आगे नहीं बढ़ पाई, तो शोहरत और सम्मान क्या उन्हें जीविका के साधन मुहैया करा पाएंगे?बेबी हालदार ने कभी कहा था, लेखक बनकर नाम तो हुआ, पर काम मिलना बंद हो गया। साहित्य अकादेमी पुरस्कारों की वापसी से प्रेरित हो पिछले दिनों कई अन्य क्षेत्रों में सम्मान वापसी की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने का विचार चल रहा था। सुझाव आ रहा था कि पुरस्कार लेने वाले यह लिखकर दें कि वे सम्मान वापस नहीं करेंगे। सवाल उठता है अखिल जैसे जो लोग सच में सम्मान कमाते हैं, क्या वे किसी भी लहर में सम्मान लौटाते हैं। क्या किसी दलित आदिवासी से शपथपत्र लेने की कभी जरूरत पड़ी है अजीब यह हुआ कि कुलीनता और अभिजात प्रवृत्ति से आच्छादित साहित्य संसार मानव-संवेदना की कोई बड़ी मिसाल कायम नहीं कर पाया।

डेमचोक में चीन की 'सलामी स्लाइसिंग' कर रही आशंकित

देपसांग का मैदानी इलाका और डेमचोक जैसे विरासती मुद्दों पर बात नहीं हो रही है। डेमचोक में चीन की 'सलामी स्लाइसिंग' की रणनीति जहां आशंकित करती है, जिसके तहत छोटे-छोटे सैन्य ऑपरेशन चलाकर धीरे-धीरे किसी बड़े इलाके पर कब्जा कर लिया जाता है, वहीं देपसांग रणनीतिक दृष्टि से भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले यानी 14 अगस्त को भारत और चीन के बीच सीमा मुद्दों के समाधान के लिए 19वें दौर की सैन्य वार्ता हुई। उनके पास वास्तव में समाधान के लिए कुछ भी नहीं था। नतीजतन 'एक-दूसरे के प्रति भरोसा जताने और सैन्य झड़पों से बचने' पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा इस वार्ता में कोई खास प्रगति नहीं हुई है। ध्यान देने की बात है कि पिछले कुछ दौर की सैन्य वार्ता में यही हो रहा है।वास्तविकता यह है कि भारतीय बलों ने अपने गश्त वाले क्षेत्र खो दिए हैं, दूसरी ओर, चीनी सैनिक भारतीय क्षेत्र में काफी अंदर तक घुस आए हैं। देपसांग का मैदानी इलाका और डेमचोक जैसे विरासती मुद्दों पर बात नहीं हो रही है। डेमचोक में चीन की 'सलामी स्लाइसिंग' की रणनीति जहां आशंकित करती है, जिसके तहत छोटे-छोटे सैन्य ऑपरेशन चलाकर धीरे-धीरे किसी बड़े इलाके पर कब्जा कर लिया जाता है, वहीं देपसांग रणनीतिक दृष्टि से भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में चीनी सेना ने वहां स्थायी संरचनाएं बनाई हैं, जहां उनके सैनिक रहते हैं। बात सिर्फ इतनी नहीं है कि चीनी सेना ने भारतीय क्षेत्र में अतिक्रमण किया है, जैसा कि व्यापक रूप से भारतीय टिप्पणीकारों ने दावा किया है, बल्कि इसके पीछे एक बहुत बड़ा नापाक मंसूबा भी दिखाई दे रहा है। इसलिए इन इलाकों को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखने की जरूरत है। देपसांग मैदान भारत की सबसे ऊंची हवाई पट्टी दौलत बेग ओल्डी (डीबीओ) के करीब है। काराकोरम दर्रा डीबीओ के उत्तर पश्चिम में लगभग 17 से 18 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह क्षेत्र पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से सटा हुआ है, और पीओके के उस हिस्से से सटा हुआ है, जिसमें शक्सगाम घाटी शामिल है, जिसे वर्ष 1963 में एक सीमा समझौते के जरिये पाकिस्तान ने गैरकानूनी तरीके से चीन को सौंप दिया था। पाकिस्तान और चीन के बीच मिलीभगत की शुरुआत दरअसल यहीं से हुई। वर्ष 1959 में जब चीनी नक्शों में पाकिस्तान के इलाकों को चीन में दिखाया गया, तब पाकिस्तान इस बात से चिंतित हो उठा था। वर्ष 1961 में पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान ने इस संबंध में चीन को एक औपचारिक पत्र भी लिखा, लेकिन उसका कोई जवाब नहीं आया। फिर पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र में चीन को सदस्य बनाए जाने के पक्ष में मतदान किया और बदले में चीन ने अपने विवादित नक्शे को जनवरी, 1962 में वापस लेने के साथ मार्च, 1962 में सीमा वार्ता में शामिल होने पर सहमति जताई। दोनों देशों के बीच 13 अक्तूबर, 1962 से वार्ता शुरू हुई, जिसके फलस्वरूप दो मार्च, 1963 को दोनों देशों के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। जब यह सब हो रहा था, तब भारत चीन द्वारा भारतीय सीमा पर छेड़े गए युद्ध में उलझा हुआ था। तब समझौते के तहत पाकिस्तान ने करीब 5,300 किलोमीटर क्षेत्र चीन को सौंप दिया, जिस पर उसका कोई अधिकार नहीं था। ये भारतीय क्षेत्र थे। बदले में पाकिस्तान को वह क्षेत्र मिला, जिसे अब गिलगित-बाल्टिस्तान कहा जाता है। गिलगित-बाल्टिस्तान जम्मू और कश्मीर की पूर्व रियासत का एक हिस्सा है, जो 'भारत का अभिन्न अंग' है। इस प्रकार एक दोहरी साजिश रचकर उसे अंजाम दिया गया। द अमेरिकन टाइम ने 1963 में इस मुद्दे पर रिपोर्टिंग करते हुए स्पष्ट लिखा था कि कश्मीर मुद्दे के समाधान की पाकिस्तान की उम्मीद धूमिल हो गई है, क्योंकि पाकिस्तान-चीन समझौते के तहत उत्तरी कश्मीर के एक हिस्से पर पाकिस्तान के नियंत्रण को चीन ने मंजूरी दे दी है। इस विस्तारवादी साजिश की असलियत तब सामने आई थी, जब पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में 27 जुलाई, 1949 को भारत-पाक सैन्य कमांडरों द्वारा हस्ताक्षरित कराची फैसले से एक नापाक निष्कर्ष निकालते हुए सियाचिन ग्लेशियर के लिए विदेशी पर्वतारोहण अभियानों को मंजूरी दी। समझौते के अनुसार, इस संघर्ष विराम रेखा पर सबसे उत्तरी सीमांकित बिंदु एनजे 9842 है, जहां से इसे उत्तर की ओर ग्लेशियरों की ओर जाना था। पाकिस्तान ने अंतिम बिंदु के रूप में इसकी अविश्वसनीय ढंग से व्याख्या की, जहां से वह कथित तौर पर काराकोरम दर्रे में शामिल हो रहा था और इससे जुड़े सभी क्षेत्र को अपना बता रहा था। जब यह धोखाधड़ी सामने आई, तब इंदिरा गांधी की सरकार ने सैन्य अभियान चलाया और चीन-पाकिस्तान की साजिश को नाकाम कर दिया। लेकिन भारत एक विस्तारवादी शत्रु के खिलाफ अपनी सतर्कता कम नहीं कर सकता है, जो देपसांग मैदानों से 30 किलोमीटर की दूरी पर दौलत बेग ओल्डी में भारतीय बेस पर नजर गड़ाए हुए है। यह एक रणनीतिक बढ़त है, जो उन्हें सीपीईसी के तहत बनाई जा रही सड़क तक पहुंच प्रदान करेगा, और जो पाकिस्तान द्वारा छोड़े गए, मगर भारत के दावे वाले क्षेत्रों से होकर गुजरती है। यही मुख्य वजह है कि भारत चीन की 'वन बेल्ट वन रोड' योजना में शामिल नहीं हुआ। चीनी शासन के अनुसार, उसके पूर्व प्रधानमंत्री झाउ एन लाइ ने सार्वजनिक रूप से दावा किया था कि चीनी क्षेत्र काराकोरम दर्रे तक फैला हुआ है। ये दावे गैर-आधिकारिक और निजी तौर पर प्रकाशित मानचित्रों पर आधारित थे, जिन्हें शिन पाओ मानचित्र के रूप में जाना जाता है। वास्तव में, 1956 में ही चीन ने इन कार्यों के लिए समर्पित सर्वेक्षण एवं मानचित्रण ब्यूरो की स्थापना की थी। लेकिन शिन पाओ मानचित्रों का उपयोग सैन्य अभियानों में मंगोलों, उइगरों, कजाकों, ताजिकों और अन्य के क्षेत्रों पर कब्जा करने में किया गया था और वे बीजिंग शासन के आधिपत्य में थे। इस पृष्ठभूमि में भारत सरकार के लिए बेहतर यही होगा कि वह बड़ी तस्वीर को ध्यान में रखते हुए चीनी गतिविधियों, रुख और दृष्टिकोण के संबंध में अपने निष्कर्षों का पुनर्मूल्यांकन करे और केवल एक राजनयिक उद्देश्य पूरा करने के लिए अपने क्षेत्रों की रक्षा करने से पीछे न हटे।

भविष्य के प्रति कैसी उम्मीद, नई पीढ़ी जानना चाहेगी असुविधाजनक प्रश्नों के उत्तर

माननीय प्रधानमंत्री ने नई सहस्राब्दी का बखान करते हुए उन चीजों की तरफ कोई संकेत नहीं किया, जिनका वादा जयंत सिन्हा कर रहे थे। नई सहस्राब्दी को लेकर जो विजन पेश किया जा रहा है, उस पर उठने वाले सवाल बेशक असुविधाजनक हों, पर देश का युवा इनके जवाब जरूर सुनना चाहेगा। 15 अगस्त को माननीय प्रधानमंत्री ने हजार साल की गुलामी के अंत और हजार ही साल के गौरव की शुरुआत के बारे में बात की। जाहिर है कि ये दोनों सहस्राब्दियां ठीक उसी जगह और उसी क्षण में मिल रही थीं, जहां वह उस वक्त खड़े थे, और बोल रहे थे। अगर यह वाकई सच होता, तो उनका यह भाषण ऐसी ही पहले घटित कुछ दूसरी घटनाओं की तरह युगप्रवर्तक होता। यह वैसा ही होता, जैसे सिद्धार्थ को बोध की प्राप्ति हुई हो या फिर यीशु का जन्म या फिर पैगंबर मुहम्मद को हुआ रहस्योद्घाटन। अगर भौतिक नजरिये से देखें, तो यह कुछ वैसा होता, जैसे पेड़ से सेब का गिरना, बिजली की खोज, टेलीफोन का आविष्कार, राइट बंधुओं की पहली उड़ान, परमाणु का विभाजन या फिर चंद्रमा पर मनुष्य के पहले कदम। उस युगांतकारी क्षण का मैं साक्षी न हो सका, इसका मुझे खेद है। खैर, मैं साक्षी बना रोजमर्रा की एक सांसारिक घटना का। राजदीप सरदेसाई ने इंडिया टुडे पर अपने एक शो में संसद के दो सदस्यों का मुकाबला कराया। इनमें से एक थे भाजपा के जयंत सिन्हा और दूसरे थे कांग्रेस के शशि थरूर। राजदीप ने अपने सवाल इनसे पूछे और दर्शक के तौर पर मौजूद थे कॉलेज के काफी जानकार और स्पष्टवादी छात्र। 'भारतॅ100' के बारे में दोनों अतिथियों के शुरुआती वक्तव्यों ने मेरी उत्सुकता बढ़ा दी। जयंत सिन्हा 2047 तक सतत समृद्धि की बात कर रहे थे, जबकि शशि थरूर 2047 तक समावेशी भारत की बात कर रहे थे। इससे मेरे दिमाग में एक सवाल आया कि हम दोनों को क्यों नहीं पा सकते? अपने-अपने राजनीतिक दलों की स्थिति को प्रतिबिंबित करने का दावा करने वाले दोनों सांसदों को सुनकर मेरे मन में एक पीड़ादायक विचार आया कि शायद भारत इनमें से कुछ भी नहीं पा सकता। बयानों में बड़ा फर्क मैं इस आलेख में जयंत सिन्हा द्वारा भारत के संविधान को सुरक्षित रखने, पंथनिरपेक्षता, संघवाद और मानवाधिकार को उनके पूर्ण समर्थन तथा कानून के शासन व जवाबदेहिता बनाए रखने के लिए किए गए उनके वायदे को गहराई से देखना चाहता हूं। मॉडरेटर के सीधे सवालों पर उन्होंने साफगोई से जवाब दिया, 'हां, आपको विवाह करने, भोजन करने और अपने धर्म को मानने का अधिकार है।' बगैर पलक झपकाए उन्होंने जोर देकर कहा, 'अपनी पार्टी के भीतर भी हम खुलकर अपने मतभेद व्यक्त कर सकते हैं। मैंने खुद अपनी पार्टी के वरिष्ठों से मिलकर और सभी गंभीर मसलों पर बात की है।' जब जयंत सिन्हा से पूछा गया कि उनके ख्याल से 2047 में देश के लिए सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा क्या होगा, तब उन्होंने कहा, 'स्वतंत्रता और अपने अनुसार जीने की आजादी।' मुझे यकीन है कि जयंत सिन्हा ने राजदीप सरदेसाई के शो में जो कुछ कहा, उस पर वह वाकई भरोसा भी करते होंगे। ठीक इसके अगले दिन हमारे 77वें स्वतंत्रता दिवस के दिन माननीय प्रधानमंत्री 90 मिनट तक बोले। मैंने उनके भाषण का अंग्रेजी अनुवाद पढ़ा। कुल मिलाकर देखें, तो यह पूरा भाषण 'मैं' और 'मेरा' पर आधारित था। इसमें उनके विचार थे, जो उन्हें लगता है कि पिछले नौ-10 साल की उपलब्धियां रही हैं। और, इसके बाद उन्होंने अपनी चिर-परिचित कोड भाषा में भ्रष्टाचार, वंशवाद और तुष्टिकरण को कोसना शुरू किया। हमें पता है कि उनके निशाने पर कौन हैं। इसमें विपक्षी नेता, गांधी परिवार और मुसलमान शामिल हैं। उसके बाद का उनका भाषण चुनावी रैली के अभ्यास जैसा था। हालांकि सच तो यह है कि पिछले नौ-10 वर्षों में कुछ भी नहीं बदला है। आइए, अब जरा जयंत सिन्हा के बयानों पर लौटते हैं और उन्हें माननीय प्रधानमंत्री के भाषण से जोड़ने की कोशिश करते हैं। जयंत सिन्हा कॉलेज के युवा छात्रों को यह आश्वस्त कर रहे थे कि 2047 का शताब्दी वर्ष एक स्वर्णिम काल होगा। लेकिन माननीय प्रधानमंत्री ने नई सहस्राब्दी का बखान करते हुए उन चीजों की तरफ कोई संकेत नहीं किया, जिनका वादा जयंत सिन्हा कर रहे थे। न उन्होंने संविधान के संरक्षण पर बात की, न पंथनिरपेक्षता या संघवाद पर, न मानवाधिकारों पर, न कानून के शासन पर और न ही जवाबदेही सुनिश्चित करने पर। जाहिर है कि जयंत सिन्हा और माननीय प्रधानमंत्री सहस्राब्दी की तस्वीरों पर अलग-अलग रंग भरते दिखे। असुविधाजनक सवाल जयंत सिन्हा के बयानों को अखबारों, टेलीविजन चैनलों और सोशल मीडिया पर रोज दिखने वाली खबरों के साथ मिलाकर देखते हैं। अगर कॉलेज के युवा छात्रों के पास अपनी पसंद से शादी करने का अधिकार है, तो अपने से अलग जाति या धर्म में शादी करने वाले जोड़ों को मारा, पीटा या परेशान क्यों किया जाता है? अगर कॉलेज के युवा छात्रों को अपनी पसंद के भोजन का अधिकार है, तो कर्नाटक में मांस को लेकर उठने वाले विवाद की क्या वजह रही थी? बजरंग दल, हिंदू महापंचायत और दक्षिणपंथी संगठनों की भूमिका क्या है और वे मुसलमानों और ईसाइयों के प्रति नफरत का जहर क्यों उगलते हैं? सबसे बड़ा सवाल, हमारे चारों तरफ इतनी हिंसा क्यों है? अगर कानून के शासन को बनाए रखने का वादा किया जा रहा है, तो दिल्ली में दंगों, मणिपुर में गृहयुद्ध जैसे हालात और नूंह, हरियाणा में सांप्रदायिक दंगों की वजह आखिर क्या है गरीबों के आवास और छोटी दुकानों को ढहाने के लिए बुलडोजर का सहारा क्यों लिया जा रहा है अगर संविधान की संरक्षित रखने की बात हो रही है, तो संसद में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के लिए कानून क्यों लाया गया और दिल्ली में उप-राज्यपाल और चुनी गई सरकार के बीच संविधानिक संतुलन को क्यों बिगाड़ा गया? ये असुविधाजनक सवाल हैं, लेकिन मुझे यकीन है, कॉलेज के छात्र इनका जवाब जरूर सुनना चाहेंगे। शो के अंत में जो दो सवाल पूछने की उन्हें अनुमति दी गई थी, वे सवाल अच्छे थे। शो भी काफी अच्छा था, लेकिन छात्रों के सवालों के जो जवाब दिए गए, वे संतोषजनक बिल्कुल नहीं थे। दरकिनार उम्मीदें मुझे उम्मीद है कि भाजपा में जयंत सिन्हा जैसे दूसरे नेता भी होंगे, जो पंथनिरपेक्षता, उदारवाद और वर्तमान संविधान को सुरक्षित रखना चाहते होंगे। अफसोस की बात है कि खुद उनकी पार्टी ही उन्हें काफी पहले दरकिनार कर चुकी है। नई सहस्राब्दी की शुरुआत की घोषणा उम्मीद नहीं, बल्कि डर दिखाती है।

संक्षिप्त समाचार

कनेक्शन के अभाव में लोगों को नहीं मिल पा रहा योजनाओं का लाभ

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। नगर में अमृत योजना के तहत सीवर व जलापूर्ति की पाइप लाइन बिछाने का काम किया गया है, लेकिन घरों तक कनेक्शन नहीं होने से लोगों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। नगर में 210 करोड़ रुपये की लागत से सीवर लाइन बिछाने का काम किया गया है। इसके तहत क्षेत्र में 203 किलोमीटर लंबी सीवर लाइन बिछाई जा रही है, जबकि विंध्याचल में 50 करोड़ रुपये की लागत से 25 किलोमीटर लंबी सीवर लाइन बिछाने का प्रस्ताव था। अब सभी जगह सीवर लाइन बिछाई जा चुकी है। मैनहोल भी बनाए जा चुके हैं। नगर में घरों के आगे चैंबर बनाने का काम कर लिया गया है, लेकिन चैंबरों से घरों के कनेक्शन नहीं हो सके हैं। इसके चलते लोगों को सीवर लाइन की योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। हालांकि नगर के 32000 घरों का सीवर लाइन से कनेक्शन जोड़ा जाना है। इसके लिए काम चल रहा है। इसी प्रकार नगर क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति के लिए 193 करोड़ रुपये की लागत वाली अमृत योजना पहले से संचालित है। इसके तहत शास्त्री सेतु के पास एक इन्टेक वेल बनाया गया है। इसमें गंग नदी से पानी लेकर पाइप लाइन के जरिए लालडिग्गी स्थित जल शोधन संयंत्र में भेजा जाता है। इस 60 एमएलडी क्षमता वाले संयंत्र में पानी शोधित कर पाइप लाइन के जरिए ओवरहेड टैंकों तक भेजा जाएगा। इसके लिए नगर में पांच ओवरहेड टैंक बनाए गए हैं। इन ओवरहेड टैंकों के माध्यम से सभी जगह जलापूर्ति की जाएगी। नगर में पानी की दैनिक मांग 35 एमएलडी है, जबकि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर 60 एमएलडी क्षमता का जल शोधन संयंत्र लगाया गया है। योजना के तहत लगे सभी संयंत्र काम तो करने लगे हैं, लेकिन जलापूर्ति के लिए नए कनेक्शन नहीं होने अभी तमाम लोगों को इस योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

फंदे पर लटकता मिला शव, हत्या का आरोप

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। देहात कोतवाली क्षेत्र के राजपुर के पास एक बगीचे में अमरूद के पेड़ पर संदिग्ध परिस्थितियों में रस्सी के फंदे पर लटकता युवक का शव मिला। शव मिलने पर लोगों की भीड़ जुट गई। पास में युवक के भाई की ससुराल थी। मौके पर पहुंचे भाई के ससुराल वालों ने शिनाख्त कर परिजनों और पुलिस को सूचना दी। शिनाख्त होने पर पहुंचे परिजनों ने युवक की हत्या करने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी। सूचना पर एएसपी सिटी और सीओ सदर ने मौके पर जाकर छानबीन की। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की बात कह रही है।वाराणसी जिले के रामनगर थाना क्षेत्र के साहित्यनाका निवासी संजय सोनकर (28) पुत्र भोला सोनकर गोवा में रहकर कार्य करते थे। संजय सात भाइयों और दो बहनों में सबसे छोटे थे। उनकी शादी नहीं हुई थी। उनका शव रविवार को सुबह देहात कोतवाली क्षेत्र के राजपुर स्थित एक बगीचे में अमरूद के पेड़ पर रस्सी के फंदे से लटकता मिला।

मीडिया की शक्ति और समाज पर इसका प्रभाव

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। तीव्र तकनीकी प्रगति और बदलते संचार परिदृश्य वाले युग में, मीडिया की भूमिका और प्रभाव में महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है।

सार्वजनिक चर्चा को आकार देने, सत्ता को चुनौती देने और सरकारों को जवाबदेह ठहराने की जो शक्ति मीडिया के पास थी, वह बदलती दिख रही है, जिससे लोकतंत्र और सार्वजनिक जुड़ाव पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में चिंताएँ बढ़ रही हैं। यह लेख मीडिया शक्ति की बदलती गतिशीलता, सरकार, विपक्ष और जनता पर इसके प्रभाव और मीडिया प्रभाव के कमजोर होने या मजबूत होने के पीछे अंतर्निहित प्रेरणाओं की पड़ताल करता है। मीडिया प्रभाव का बदलता परिदृश्यः परंपरागत रूप से, मीडिया ठचौथे स्तंभठ के रूप में कार्य करता है, जो एक लोकतांत्रिक समाज के भीतर नियंत्रण और संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पत्रकारों ने प्रहरी के रूप में काम किया, सार्वजनिक चिंता के मुद्दों की जांच की, भ्रष्टाचार को उजागर किया और सरकार को उसके कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराया। हालाँकि, डिजिटल मीडिया, सोशल प्लेटफ़ॉर्म और सूचना के वैकल्पिक स्रोतों के उदय ने मीडिया परिदृश्य को खंडित कर दिया है, इसके प्रभाव को कम कर दिया है और नई चुनौतियाँ पैदा की हैं। मीडिया प्रभाव और सरकारः जैसे-जैसे मीडिया का प्रभाव कम होता जा रहा है, कुछ लोगों का तर्क है कि इस बदलाव से सरकारों और राजनेताओं को लाभ होता है। कम आलोचनात्मक कवरेज के साथ, अधिकारियों को अपनी सार्वजनिक छवि को प्रबंधित करना और कथा को नियंत्रित करना आसान हो सकता है। सोशल मीडिया के माध्यम से सूचना का प्रसार पारंपरिक पत्रकारिता गेटकीपिंग को दरकिनार कर सकता है, जिससे सरकारों को नागरिकों के साथ सीधे संवाद करने की अनुमति मिलती है, संभावित रूप से पूरी तरह से जांच के बिना सार्वजनिक धारणा को आकार मिलता है। मीडिया प्रभाव और सार्वजनिक धारणाः मीडिया के प्रभाव के कमजोर होने से यह भी प्रभावित हो सकता है कि जनता सरकारी कार्यों, नीतियों और सामाजिक मुद्दों को कैसे देखती है। एक मजबूत मीडिया सरकार और नागरिकों के बीच एक पुल के रूप में कार्य करता है, जो सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाता है और नागरिक जुड़ाव को बढ़ावा देता है। एक मजबूत मीडिया के बिना, गलत सूचना और पक्षपातपूर्ण आख्यान अनियंत्रित रूप से फैल सकते हैं, जिससे जनता की सूचित निर्णय लेने की क्षमता बाधित हो सकती है। सार्वजनिक लाभ के लिए मीडिया को मजबूत बनानाः यह स्पष्ट है कि एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए एक जीवंत और स्वतंत्र मीडिया आवश्यक है। एक मजबूत मीडिया सत्ता के प्रति संतुलन के रूप में कार्य करता है, पारदर्शिता सुनिश्चित करता है और सार्वजनिक हितों की रक्षा करता है। जब मीडिया सरकारों को जवाबदेह ठहराता है, तो यह एक ऐसे माहौल को बढ़ावा देता है जहां निर्वाचित अधिकारियों द्वारा जनता के सर्वोत्तम हित में कार्य करने की अधिक संभावना होती है। प्रेरणाओं को समझनाः सवाल उठता हैः कमजोर मीडिया से किसे फायदा होता है और मजबूत मीडिया से किसे फायदा होता है? एक कमज़ोर मीडिया सत्ता में बैठे लोगों के हितों की पूर्ति कर सकता है, जिससे वे कम जांच के साथ काम कर सकेंगे। इसके विपरीत, एक मजबूत मीडिया चिंताओं को व्यक्त करने, प्राधिकार को चुनौती देने और सार्वजनिक नीति को आकार देने के लिए एक मंच प्रदान करके जनता को सशक्त बनाता है। कुल मिलाकर एक ऐसे युग में जहां सूचना स्वतंत्र रूप से और तेजी से प्रवाहित होती है, सार्वजनिक चर्चा को आकार देने में मीडिया की भूमिका सर्वोपरि बनी हुई है। मीडिया प्रभाव का बदलता परिदृश्य लोकतंत्रों के स्वास्थ्य और सत्ता में बैठे लोगों की जवाबदेही के बारे में महत्वपूर्ण सवाल उठाता है। जनता को यह समझना चाहिए कि जागरूक नागरिक के रूप में उनकी भूमिका मीडिया की ताकत से जटिल रूप से जुड़ी हुई है। एक कमजोर मीडिया कम सूचित और व्यस्त नागरिकों को जन्म दे सकता है, जबकि एक मजबूत मीडिया लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जवाबदेही, पारदर्शिता और सार्थक भागीदारी को बढ़ावा दे सकता है। जैसे-जैसे समाज इन परिवर्तनों को आगे बढ़ा रहा है, एक मजबूत, स्वतंत्र और जिम्मेदार मीडिया के महत्व को कम करके आंका नहीं जा सकता है।

फोटोजर्नलिस्ट फोटो प्रदर्शनी के दूसरे दिन पहुंचे फोटो प्रेमी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर नोएडा मीडिया क्लब

के तत्वाधान में फोटो जर्नलिस्टों द्वारा आर्ट लाइफ गैलरी सेक्टर 44 में चल रही तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी के आज दूसरे दिन नोएडा और दिल्ली के फोटो प्रेमी प्रदर्शनी में पहुंचे और सभी फोटो को बड़ी उत्सुकता से देखा संबंधित फोटो के विषय में फोटो जर्नलिस्ट से जानकारी भी ली फोटो प्रदर्शनी देखने आए लोगों ने अपने सुझाव और कमेंट भी वहां मौजूद कमेंट बुक में लिखे । यह तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी 21 अगस्त तक चलेगी। फोटो प्रदर्शनी देखने पहुंचे डीसीपी (यातायात) अनिल कुमार यादव ने सभी पत्रकारों और छायाकारों को वर्ल्ड फोटोग्राफी डे की बधाई दी। उन्होंने प्रदर्शनी में लगे सभी फ़ोटो बेहद उत्साहित हो देखे और कमेंट बुक में उन्होंने लिखा कि यहां प्रदर्शनी में डिस्प्ले की गई फोटो ना केवल अपने सौंदर्य के लिए उत्कृष्ट हैं अपितु समाज को भी एक अच्छा मैसेज जाता है और ऐसी फोटो प्रदर्शनी समय-समय पर होती रहनी चाहिए आगे समाजवादी पार्टी के पूर्व महासचिव नोएडा राघवेन्द्र दुबे और सपा विधानसभा अध्यक्ष नोएडा बबलू चौहान ने सभी फोटो जर्नलिस्ट को बधाई देते हुए नोएडा वीडियो क्लब की सराहना करते हुए लिखा की मुझे विश्वास है कि अगले वर्ष भी इसी भव्य तरीके से फोटो प्रदर्शनी लगाई जाएगी मुख्य रूप से मौजूद रह आज पहले दिन भी कई गणमान्य लोगों ने प्रदर्शनी का लुफ्त उठाया जिनमें डब्लू एन सी ए के अध्यक्ष संदीप शंकर, डब्लू एन सी ए के महासचिव एस एन सिंहा, टाइम्स आफ इंडिया के फोटो संपादक नीरज पॉल, ब्लूमबर्ग के फोटो संपादक टी नारायण, वरिष्ठ फोटो संपादक रुबेन सिंह, ओपन के फोटो संपादक राउल ईरानी, वरिष्ठ फोटोग्राफर अनंदितो मुखर्जी, पीटीआई के वरिष्ठ फोटोग्राफर मानवेंद्र वशिष्ठ, टाइम्स आफ इंडिया के वरिष्ठ फोटोग्राफर अनिंदया चटोपाध्याय, एएफपी के वरिष्ठ फोटोग्राफर सज्जाद हुसैन व एएनआई के वरिष्ठ फोटोग्राफर श्रीकांत सिंह ने प्रदर्शनी में प्रस्तुत तसवीरों की सराहना की। प्रदर्शनी में प्रतिभाग करने वाले फोटोजर्नलिस्ट अमर उजाला के अभिषेक कुमार, फ्रीलांस अंकित यादव, फ्रीलांस के आसिफ, इंडियन एक्सप्रेस के गजेंद्र यादव, फ्रीलांस हिमांशु सिंह, हिंदुस्तान के ईश्वर चंद, अमर उजाला के लाल सिंह, राष्ट्रीय सहारा के मनोहर त्यागी, राष्ट्रीय सहारा के एन के दास, नवोदय टाइम्स के नीरज कुमार, नवोदय टाइम्स के प्रमोद शर्मा, फ्रीलांस प्रेम बिष्ट, नवभारत टाइम्स के रमेश शर्मा, नवभारत टाइम्स के रवि यादव, अमर उजाला के राजन राय, राष्टीय सहारा के सुशील अग्रवाल, हिंदुस्तान टाइम्स के सुनील घोष, हिंदुस्तान के सलमान अली, दैनिक जागरण के सौरभ राय, फ्रीलांस वीरेंद्र सिंह व टाइम्स ऑफ इंडिया के योगेश कुमार की फोटो प्रदर्शित की गई।

टेक जोन 4 , ग्रेटर नोएडा वेस्ट में नेकी का डिब्बा फाउन्डेशन ने गरीबों को भोजन कराया

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। नोएडा नेकी का दोना-पत्तलठ ग्रेटर नोएडाः-टेक जोन

ठनेकी का डब्बा फाऊंडेशनठ की मुहिम के तहत ठनेकी का दोना-पत्तलठ के कार्यक्रम में, लगभग 300 जरूरतमंद को भोजन कराया गया। उक्त कार्यक्रम के आयोजक रंजना जैसवाल, राजीव जैसवाल, हर्षित जैसवाल और सीमा जैसवाल थे ठनेकी का डब्बा फाऊंडेशनठ के संस्थापक गिरीश शुक्ला ने बताया कि हमलोग पिछले कई सालों से गरीब जरूरतमंदों के लिए काम करते आ रहे है जिसका आधार उतरन से है। कुछ वर्ष पूर्व संस्था की संयोजक कमेटी ने संकल्प लिया कि सेवा बस्ती (झुग्गियों) में रहने को मजबूर गरीब जरूरतमंदों को भोजन कराएंगे और इस मुहिम का नाम ठनेकी का दोना-पत्तलठ रखा गया, जिसका नामकरण जानी-मानी उपन्यास लेखिका सपना जैन जी के द्वारा किया गया। यह मुहिम भूखे को खाना खिलाने का एक अनोखा प्रयास है , चूंकि उक्त मुहिम की शुरुआत अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस पर हुई अतः टीम इस कार्यक्रम में कभी भी प्लास्टिक/थर्माकोल के प्लेट का इस्तेमाल नहीं करती। अब लोग बंद कमरों में केक काटने के बजाय गरीब जरूरतमंदों के बीच जाकर खुशियां बांटने में ज्यादा यकीन करने लगे हैं। इस तरह मां अन्नपूर्णा का आशीर्वाद गरीब जरूरतमंद तक पहुंचाने का माध्यम नेकी का डब्बा फाउण्डेशन बन रहा है। नेकी का पौधा अब फलदार वृक्ष बन रहा है। नेकी का डब्बा फाऊंडेशन ने ज़रूरतमन्द गरीब जन को निःशुल्क भोजन कराने के लिए एक मुहीम की शुरुआत की जिसका नाम प्रसिद्ध उपन्यास लेखिका सपना जैन ने नेकी का दोना-पत्तल रखा है। आज के इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहे लोग जिनका नाम संजीव, उर्वशी, पी.एन. राय, दीप भास्कर, रिशान्त, प्रतीक शर्मा, धरमवीर सिंह और तेजपाल इत्यादि हैं।

गौ सेवा सर्वोपरि सेवा हैं - कन्हैया दास जी महाराज

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। नोएडा सेक्टर 82 पाकेट 7 शिव मंदिर पर गौ सेवा गतिविधि नोएडा महानगर के संयोजन में गौ कथा का आयोजन किया गया। गांवों में आज आवारा घूमती दिखाई दे रही है। आज के किसान भी जब तक गाय माता दूध दे रही है तभी तक उनकी सेवा करते हैं उसके बाद उन्हें घर से भगा देते हैं।जो

गौ कथा व्यास कन्हैया दास जी महाराज ने गौ कथा कहते हुए कहा कि जब-जब होई धरम कै हानी ,बाढहि असुर अधम अभिमानी।भगवान इस धरती पर अवतरित होकर हम मनुष्यों का कल्याण करने के लिए आते हैं। इस धरती पर गाय की पूजा के बिना सभी पूजा अधूरी होती है।हमारे देश में पुरातन काल से ही गाय की सेवा की महत्ता है। गौ माता के बिना हमारे भगवान कोई पूजा स्वीकार नहीं करते। गाय के शरीर में तैंतीस करोड़ देवी देवता बास करते हैं। इसलिए गाय की सेवा सर्वोपरि माना जाता है।भगवान का भी अवतार गो लोक से ही होता हैं । आज समाज में गौ माता की उपेक्षा हो रही है। गाएं सड़कों एवं हमारे समाज के लिए अच्छा संकेत नहीं है । इस मौके पर रमेश चंद्र शर्मा, राजवीर सिंह, मुकेश शुक्ला, पं विनोद मिश्रा, बिष्णु शर्मा, रमेश चंद्र वर्मा, संजय पांडेय, हंस मणि शुक्ल, विकास शर्मा, सर्वेश कुमार तिवारी, एन के सोलंकी, गिरिराज, गुरमेल सिंह,रतन भारद्वाज, गोरे लाल ,रवि राघव, अजय सिंह,बी डी गुप्ता ,अंगद सिंह तोमर, राजेश कुमार गुप्ता,संगम प्रसाद मिश्र, राजेश राघव, सी एल तिवारी,श्री राम तिवारी, रमेश चंद्र दास, देवेन्द्र कुमार गुप्ता,राकेश कुमार,वृज किशोर , हरि शंकर सिंह, हनुमान कुमार, धर्मेंद्र सिंह, अजय सिंह,मनोज कुमार, वीरेंद्र कुमार, मुरारी झा, अवनीश तिवारी आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

देहात थाना परिसर में ए0डी0जी0 मैहर की उपस्थिति में आयोजित किया गया यातायात सुरक्षित वाहन चलाने संबंधित विधिक शिविर

(आधुनिक समाचार सेवा)

सतना। थाना परिसर देहात में आज दिनांक को ए0डी0जी0 मैहर नीरज शर्मा द्वारा लोगो को यातायात नियमों संबंधित एवं सुरक्षित वाहन चलाने संबंधित समझाइश दी गई कार्यक्रम में व्श्इण् मैहर पूजा विजयवर्गीय ,ॅअ्ध् गणेश पाण्डेय , थाना प्रभारी बदेरा अरुण सोनी , थाना प्रभारी देहात संजय दुबे , जिला पंचायत सदस्य श्रीधर उर्मलिया , कुलदीप तिवारी सरपंच हिनौता , बरहिया , से। लीजूरा, बठिया एवं थाना स्टाफ व क्षेत्र के ग्रामीण उपस्थित रहे सभी को यातायात नियमों का पालन करने की सपथ दिलवाई गई साथ ही वृक्षारोपण भी किया गया।

विश्व मच्छर दिवस जागरूक के कमी के कारण घरों में लापरवाही से ... र्वा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। नोएडा दुनियाभर में आज यानी 20 अगस्त का दिन विश्व मच्छर दिवस के रूप में मनाया जाता है। आज ही के दिन साल 1897 में लिवरपूल स्कूल ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन के ब्रिटिश डॉ. रोनाल्ड रॉस ने मादा एनाफिलीज मच्छर की खोज की थी। इस मच्छर के काटने से ही मलेरिया होता है। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को मच्छरों के काटने से होने वाली बीमारियों के प्रति जागरूक करना और बचाव के उपायों के बारे में बताना है। फेलिक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ डी. के. गुप्ता ने बताया कि मच्छर बीमारियों के वाहक होते हैं। मच्छरों के काटने से डेंगू, चिकनगुनिया, ज़ीका वायरस और मलेरिया का खतरा बढ़ जाता है। इन सभी में डेंगू और मलेरिया सबसे ज्यादा खतरनाक हैं। ये बीमारियां जानलेवा साबित हो सकती है बारिश के मौसम में मच्छर जनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसमें डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया जैसी बीमारियां ज्यादातर होती हैं। इसके लिए जरूरी है कि हम अपने और परिवार की सेहत के लिए कुछ आसान और उपयोगी कदम उठाएं। ऐसे में तमाम जरूरी सावधानियों को बरतने के अलावा हम कुछ घरेलू उपायों को अपनाकर भी खुद को इनसे बचा सकते हैं। जहां मलेरिया मादा एनोफेलीज मच्छर के काटने से मलेरिया की बीमारी होती है। इस रोग में व्यक्ति के शरीर में लाल रक्त कोशिकाएं इंफेक्टेड हो जा... होने लगती हैं। रे... सिरदर्द के साथ ... कम तो कभी ज्य... है। गंभीर मामलो... कोमा में भी जा... तक कि उसकी म...

...दर्द की शिकायत ...ठीक हो जाने के ...ा लंबे समय तक ...ज के शरीर को ... हैं। इससे उसे ...दिक्कतों का सामना ...रीज को पूरी तरह ...रत होती है। वहीं ...छरों के काटने से ...द घातक बीमारी ...ाल चकत्ते, जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द की शिकायत रहती है। इसके अन्य लक्षणों में सिरदर्द, कंजेक्टिवाइटिस और बेचैनी भी होती है। अगर कोई गर्भवती महिला इससे संक्रमित होती है तो उसके बच्चे का दिमाग छोटा रह सकता है। डेंगू वायरस से संक्रमित मच्छर के काटने से यह बीमारी फैलती है। इस बीमारी में मरीज को बुखार, चकत्ते, जोड़ों और मासपेशियों में गंभीर दर्द जैसे लक्षण अनुभव होते हैं। इस बीमारी के दौरान मरीज को आराम की जरूरत होती है और इसकी वजह से मरीज महीनों तक चलने-फिरने में दर्द का अनुभव करता है। मच्छर जनित संक्रमण के लक्षण.... लक्षण हैं ठंड लगना, बुखार, सरदर्द, और उल्टी। लक्षणों में बुखार शामिल है, जल्दबाज, सरदर्द, मसूड़ों से खून आना या नाक, और आसान खरोंच। इस रोग में आंखों और त्वचा पीली दिखती है, और तेज बुखार के साथ ठंड लगना, सिरदर्द, उल्टी और पीठ दर्द। जानें बचाव और उपाय.घर के अंदर अधिक समय बिताएं, खासकर दिन के समय, ताकि मच्छरों के काटने से बचा जा सके।दरवाजों और खिड़कियों को मच्छर जाले या स्क्रीन से ढकें। पानी के जमाव से बचे, जो मच्छरों के जीवन की जगह का काम करता है। मच्छर रिपेलेंट और डेंगू वैक्सीन का प्रयोग करें। डेंगू या मलेरिया जैसी बीमारियों के लक्षणों की पहचान करने पर चिकित्सक की सलाह लें।

है। पीला बुखार यह एक विशेष प्रकार के मच्छर से फैलने वाला वायरल इंफेक्शन है। पीले बुखार में मरीज के मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी में सूजन आ जाती है। कम गंभीर मामलों में सिरदर्द, जी मिचलाना, बुखार और उल्टी जैसे लक्षण दिखते हैं। गंभीर मामलों में दिल, लिवर और किडनी से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। वहीं चिकनगुनिया मच्छरों से फैलने वाली यह एक आम, लेकिन घातक बीमारी है। इस रोग में मरीज को बुखार,

समाजिक संस्था युवा सोशल शक्ति फाउंडेशन द्वारा 94वा स्वच्छ यमुना मिशन का सामूहिक आगाज

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। वाईएसएस फाउंडेशन द्वारा ठस्वच्छ यमुना मिशनठ ने आज यमुना नदी के किनारे सफाई अभियान का 94वां चरण शुरू किया। इस अभियान में संस्था के सदस्यों के साथ-साथ स्थानीय लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में संस्था के अध्यक्ष सचिन गुप्ता ने बताया कि यमुना नदी हमारे देश की प्राचीन और पवित्र नदियों में से एक है। लेकिन आज यह प्रदूषण के कारण खतरे में है। हमें मिलकर इस नदी को साफ और स्वच्छ बनाने के लिए प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर संस्था के यमुना कॉर्डिनेटर दिनेश कुमार ने कहा कि हमने पिछले 93 अभियानों के दौरान यमुना नदी से हजारों टन कचरा निकाला है। लेकिन अभी भी बहुत काम बाकी है। हमें लगातार प्रयास करते रहना होगा। कार्यक्रम में

सफाई अभियान के अलावा, लोगों को यमुना नदी के महत्व और इसके संरक्षण के बारे में जागरूक करने के लिए भी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। सफाई अभियान में शामिल लोगों ने यमुना नदी के किनारों से प्लास्टिक, जूते, कपड़े, कचरा आदि निकाला। उन्होंने नदी में गिरे हुए पेड़ों को भी हटाया। सफाई अभियान के बाद, लोगों ने संकल्प लिया कि वे यमुना नदी को स्वच्छ और स्वच्छ रखने के लिए हमेशा प्रयास करेंगे। यमुना नदी के संरक्षण के लिए सभी का सहयोग जरूरी यमुना नदी हमारे देश की प्राचीन और पवित्र नदियों में से एक है। लेकिन आज यह प्रदूषण के कारण खतरे में है। यमुना नदी को बचाने के लिए सभी का सहयोग जरूरी है। हम सभी को मिलकर यमुना नदी को साफ और स्वच्छ बनाने के लिए प्रयास करना चाहिए।यदि हम सभी मिलकर प्रयास करें तो हम यमुना नदी को स्वच्छ और स्वच्छ बना सकते हैं। आज की कार्यक्रम में मुख्य रूप से दिनेश कुमार, सचिन गुप्ता, अनुकृति भारद्वाज, सुभा बेला, रेखांकित राज, मानसी सिंह, डिंपी राय आदि सदस्य मुख्य रूप से सम्मिलित हुए।

'गदर 2' से करोड़ों कमाने वाले सनी देओल का बंगला होगा नीलाम बैंक ने भेजा नोटिस

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। फिल्म गदर 2 को लेकर सुर्खियों में छाए सनी देओल को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। यह कैसी खबर है जिससे उनके फैंस में मायूसी छा सकती है। दरअसल, बैंक ऑफ बड़ौदा ने लोकसभा सांसद और एक्टर सनी देओल को 56 करोड़ के बकाया राशि को लेकर नोटिस दिया है। इस लोन में गारंटर के तौर पर धर्मेंद्र का नाम भी शामिल है।सनी देओल पर आरोप है कि उन्होंने बैंक से एक बड़े अमाउंट का लोन लिया था, जिसे वह नहीं चुका पाए। लोन के लिए मुंबई के जुहू इलाके में स्थित उन्होंने अपना विला, जिसका नाम 'सनी विला' है, उसे मार्टगेज पर दिया था। इसके बदले बैंक को उन्हें 56 करोड़ रुपए चुकाने थे, जो उन्होंने नहीं चुकाए। एक अखबार में छपे नोटिफिकेशन के मुताबिक सनी देओल का यह घर जुहू के गांधी ग्राम रोड पर है। इसके गारंटर सनी के पिता धर्मेंद्र हैं।रिपोर्ट्स के अनुसार, सनी देओल को बैंक ऑफ बड़ौदा को 55.99 करोड़ रुपए के करीब लोन इंटरेस्ट के साथ देना था। अब जब सनी देओल ने लोन नहीं चुकाया है तो बैंक ने ई ऑक्शन के लिए नोटिफिकेशन निकाला है। इस नोटिफिकेशन के मुताबिक, ऑक्शन 25 सितंबर को किया जाएगा।रिकॉर्डिंग और डबिंग स्टूडियो है सनी विला बता दें कि 'सनी विला' एक बंगला कम और रिकॉर्डिंग और डबिंग स्टूडियो ज्यादा है। इसमें सनी देओल का एक ऑफिस भी है। इसे सनी सुपर साउंड के नाम से भी जाना जाता है, जिसमें बॉलीवुड फिल्मों की डबिंग और स्क्रीनिंग सालों से होती आ रही है। 'गदर 2' के कलेक्शन को लेकर चर्चा में एक्टर सनी देओल इन दिनों 'गदर 2' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म ने दो हफ्ते से भी कम समय में 300 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। इसके अलावा सनी इस बात को लेकर भी चर्चा में हैं वह दूसरी सीक्वल फिल्म 'बॉर्डर 2' में नजर आ सकते हैं। हालांकि, इस पर ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं आया है।

दिशा पाटनी के रूमर्ड बॉयफ्रेंड ने हाथ में बनवाया एक्ट्रेस का फेस टैटू, लोग बोले- 'अब टाइगर का क्या होगा'

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी अब एक्ट्रेस से डायरेक्टर भी बन गई हैं। अपनी प्रोफेशनल लाइफ में एक नई पारी की शुरुआत करने वाली हसीना इस वक्त अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से सभी का ध्यान खींच रही हैं। दिशा और उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। दिशा पाटनी अपनी पर्सनल लाइफ को भले ही लाइमलाइट से दूर रखने की कोशिश करती हैं लेकिन फिर भी हेडलाइंस का हिस्सा बन जाती हैं। इन दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें दिशा के रूमर्ड बॉयफ्रेंड के हाथ में एक्ट्रेस का फेस टैटू देखने को मिला। यहां देखिए वो वीडियो। टाइगर श्रॉफ से ब्रेकअप के बाद दिशा पाटनी का नाम एलेक्जेंडर एलिक्सिक से जोड़ा जा रहा है। टाइगर से अलग होने के बाद कई बार दिशा को एलेक्जेंडर के साथ स्पॉट किया गया। अब एलेक्जेंडर के एक वीडियो ने साफ कर दिया है कि वाकई वह दिशा को डेट कर रहे हैं। दरअसल, एलेक्जेंडर ने अपनी बाजू पर दिशा पाटनी का फेस टैटू बनवाया है। हाल ही में, एक्ट्रेस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एलेक्जेंडर का वीडियो भी शेयर किया है। क्लिप में पहले दिशा, टाइगर की बहन कृष्णा श्रॉफ के साथ पोज दे रही हैं। इसके बाद कैमरा एलेक्जेंडर के बाजू पर जूम किया जाता है, जहां उन्होंने दिशा का फेस टैटू बनवाया है। एलेक्जेंडर की बाजू पर दिशा का फेस टैटू काफी प्यारा लग रहा है। दिशा पाटनी का ये वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर सामने आया है, लोग जमकर रिएक्शन दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'अब टाइगर का क्या होगा।' एक ने लिखा, 'टाइगर अभी जिंदा है।' एक और यूजर ने मजे लेते हुए कहा, 'टैटू में दिशा आदिवासी लग रही। दिशा पाटनी ने लंबे समय तक टाइगर श्रॉफ को डेट किया था, लेकिन उन्होंने कभी भी अपने रिश्ते को खुलेआम स्वीकार नहीं किया। वे हमेशा एक-दूसरे को अच्छा दोस्त बताते थे। हालांकि, कुछ महीने पहले ही दोनों ने अपने रास्ते अलग कर लिये। अब दिशा कथित तौर पर एलेक्जेंडर के साथ रिश्ते में हैं। हाल ही में, दिशा और एलेक्जेंडर का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें उन्होंने एलेक्जेंडर को अपना बॉयफ्रेंड बताते हुए देखा गया था। साल 2015 में फिल्म 'लोफर' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली दिशा पाटनी अब डायरेक्टर बन गई हैं। हाल ही में, उन्होंने 'क्यों करूं फिकर' म्यूजिक वीडियो से बतौर डायरेक्टर डेब्यू किया है। जल्द ही एक्ट्रेस 'कल्कि 2898 एडी' में नजर आएंगी।

बॉक्स ऑफिस पर रजनीकांत की 'जेलर' लाई सुनामी, 10 दिन में कमाई 500 करोड़ के पार

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। इन दिनों सिनेमाघरों में खूब चहल-पहल देखने को मिल रही है। एक तरफ सनी देओल की 'गदर 2' और अक्षय कुमार की 'ओएमजी 2' बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ा रही है, वहीं साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत का जादू भी कम नहीं देखने को मिल रहा है। रजनीकांत स्टारर फिल्म जेलर का निर्देशन नेल्सन दिलीपकुमार ने किया है। फिल्म में तमन्ना भाटिया भी अहम किरदार में हैं। मूवी 10 अगस्त को रिलीज हुई थी। शानदार ओपनिंग के 10 दिन बाद भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रही है। 10वें दिन की कमाई जानकर आपके होश उड़ जाएंगे। जानिए जेलर का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन। रजनीकांत स्टारर जेलर का क्रेज 10 दिन बाद भी खत्म होता नहीं दिख रहा है। मूवी दुनियाभर में ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। महज 10 दिनों में फिल्म 300 करोड़ के करीब पहुंच गई है। रजनीकांत की जेलर ने 10 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। फिल्म ने पहले ही दिन रिकॉर्ड बना दिया था। रिलीज के 10 दिन बाद भी रजनीकांत तहलका मचा रही है। 10वें दिन का कलेक्शन जानकर आपके होश उड़ जाएंगे। सैकनिल्क के अर्ली ट्रेड के मुताबिक, दूसरे शनिवार को रजनीकांत की जेलर ने 18 करोड़ का कारोबार किया है, वो भी सिर्फ भारत में। मंगलवार के बाद जेलर ने सबसे ज्यादा कलेक्शन शनिवार को किया। हालांकि, सही आंकड़ा इससे ज्यादा या कम भी हो सकता है। 48.35 करोड़ से ओपनिंग करने वाली रजनीकांत की जेलर ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 263.9 करोड़ का बिजनेस किया है। दूसरे शुक्रवार को फिल्म ने महज 10.05 करोड़ रुपये कमाए थे, लेकिन शनिवार को कमाई में बड़ा उछाल देखने को मिला। जेलर ने दुनियाभर में तोड़े रिकॉड सिर्फ घरेलू बॉक्स ऑफिस पर नहीं, जेलर का दुनियाभर में भी अलग क्रेज है। फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन काफी शानदार है। दुनियाभर में जेलर ने 500 करोड़ के पार कमाई की है। तमिल सिनेमा की ये तीसरी फिल्म है, जिसने 500 करोड़ का आंकड़ा पार किया है। खास बात ये है कि 'गदर 2' और 'ओएमजी 2' की आंधी के बीच भी रजनीकांत ने ताबड़तोड़ कमाई कर ये साबित कर दिया है कि आज भी वह दर्शकों के दिलों पर राज करते हैं। जेलर की स्टार कास्ट 'जेलर' में रजनीकांत के अलावा कई दिग्गज सितारों ने भी अहम भूमिका निभाई है।

शाह रुख खान की 'मौत' के बाद प्रोड्यूसर्स हो गए थे परेशान, दिलचस्प है 'दिल से' का ये किस्सा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। 'गुरु' और 'रोजा' जैसी फिल्में बनाने वाले मणि रत्नम आज इंडस्ट्री के चर्चित डायरेक्टर्स में से एक हैं। उनकी तमाम हिट फिल्मों में एक नाम 'दिल से' (अत् ए) का है, जो आज से 25 साल पहले 1998 में रिलीज हुई थी। 25 र्भे द अत् ए शाह रुख खान की क्लासिक कल्ट फिल्म दिल से को रिलीज हुए 25 साल पूरे हो जाएंगे। मूवी के अंत में शाह रुख खान की मौत हो जाती है। हालांकि इस एंडिंग के साथ फिल्म को पसंद जरूर किया गया लेकिन उस वक्त इस सीन से जुड़े एक सुझाव को सुनकर डायरेक्टर मणि रत्नम ने आपा खो दिया था। यह फिल्म शाह रुख खान और मणि रत्नम की साथ में पहली और एकमात्र फिल्म है। 'दिल से' को क्लासिक कल्ट माना जाता है। आज तक मूवी के गाने और म्यूजिक लोगों को अट्रैक्ट करते हैं। खासकर फिल्म का गाना 'छैया-छैया', जिसे चलती ट्रेन पर शाह रुख खान और मलाइका अरोड़ा संग हजारों लोगों के ऊपर फिल्माया गया था। 'छैया-छैया' गाना इतना पसंद किया गया कि उस वक्त प्रोड्यूसर्स ने इसे फिल्म के एंडिंग सीन में रिपीट करने के बारे में सोचा था। दरअसल, इसे लेकर एक खास वजह थी। अगर आपने फिल्म देखी है, तो यह जानते होंगे कि कहानी के अंत में हीरो और हीरोइन दोनों मर जाते हैं। एंडिंग सीन शूट होने के बाद मेकर्स को लगा कि हीरो की मौत से कहानी का रस कहीं फीका न पड़ जाए। इसलिए इसे कवर करने के लिए मार्क्स ने छैया-छैया को एसआरके-मनीषा कोइराला की मौत पर रिप्ले करने के बारे में सोचा था। हीरो की मौत से गड़बड़ाई थी स्थिति फिल्म के प्रोड्यूसर रामगोपाल वर्मा ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया था की हीरो की मौत देखकर कहीं ऑडियंस एंडिंग सीन की आलोचना न करने लग जाए, इसके लिए उनके इमोशंस को बनाए रखने के लिए 'छैया-छैया' सॉन्ग प्ले किया जाए, जो की फिल्म का सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला गाना है। उनका तर्क था कि अगर ऑडियंस दो बार फिल्म में इस मास्टर पीस को प्ले होते देखेगी, तो खुशी से फूली नहीं समाएगी। लेकिन जब मणि रत्नम को यह आइडिया सुनाया गया, तो वह गुस्से से लाल हो गए। मणि रत्नम को नहीं पसंद आया था आईडिया जब राम गोपाल वर्मा ने यह आइडिया फिल्म के डायरेक्टर मणि रत्नम को सुनाया, तो उन्हें प्रोड्यूसर्स की क्रिएटिविटी में जरा भी दिलचस्पी नजर नहीं आई। उन्होंने गुस्से में कहा कि जब शाहरुख खान मनीषा कोइराला को गले लगाएगा, तो वह मलाइका अरोड़ा के बारे में कैसे सोच सकता है शाह रुख ने दिया था यह जवाब वही जब इस बात की भनक शाह रुख खान को लगी, तो उनका रिएक्शन भी ऐसा था, जिस बारे में किसी ने सोचा नहीं था। किंग खान ने कहा था तो यह सब पहले सोचना चाहिए था ना। उनको बोलो कि ऑडियंस इतना नहीं सोचेगी। उनको दो बार गाना देखने को मिला है, तो वो लोग खुश हो जाएंगे।ठयह उन दिनों की बात है, जब फिल्म रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार थी। अब जो भी एडिटिंग होनी थी, उसकी जिम्मेदारी लोकल थिएटर ऑनर्स और डिस्ट्रीब्यूटर्स पर थी, जो फिल्म के ऑन ग्राउंड रिलीज को हैंडल कर रहे थे। हालांकि, सोचे गए प्लान के मुताबिक एंडिंग में एडिटिंग नहीं की गई और फिल्म को ऑरिजिनल कॉन्सेप्ट के साथ थिएटर में रिलीज किया गया।

दीपिका पादुकोण को रास नहीं आती पति रणवीर सिंह से जुड़ी ये बात, खुद कर दिया खुलासा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बॉलीवुड के राम और लीला यानी रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण उन कपल्स में से एक हैं, जो भले ही अलग-अलग नेचर के हैं, लेकिन उनके बीच बहुत प्यार है। एनर्जेटिक और फन लविंग रणवीर के साथ एलिगेंट दीपिका की जोड़ी खूब जमती है बी-टाउन के फेवरेट कपल दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह अपनी केमिस्ट्री से लाखों कपल्स को इंस्पायर करते हैं। एक-दूसरे पर खुलकर प्यार लुटाने से लेकर सपोर्ट करने तक दीपिका और रणवीर ने हमेशा कपल गोल्स दिया है। दीपिका का एक पुराना वीडियो सामने आया है जिसमें वह बताती नजर आईं कि उन्हें रणवीर की कौन सी चीज नहीं पसंद बी-टाउन के पावर कपल कहे जाने वाले दीपिका और रणवीर खुलकर सिर्फ प्यार जाहिर नहीं करते हैं, बल्कि एक-दूसरे से जुड़ी नापसंद चीजों के बारे में बिना झिझक दुनिया को बताते हैं। दीपिका ने एक बार खुलासा किया था कि उन्हें रणवीर सिंह से जुड़ी क्या चीज नहीं पसंद है। दीपिका पादुकोण का एक थ्रोबैक इंटरनेट पर जमकर वायरल हो रहा है। क्लिप में दीपिका बताती दिख रही हैं कि उन्हें रणवीर सिंह किस अवतार में पसंद हैं और किसमें नहीं। उन्होंने कहा कि उन्हें रणवीर सिंह बिना दाढ़ी के अच्छे नहीं लगते हैं। जब उनसे रेटिंग करने के लिए कहा गया तो उन्होंने रणवीर की बिना दाढ़ी वाली फोटो को 10 में से 4 रेटिंग दी। साथ ही ये भी कहा, ठउन्हें दाढ़ी की जरूरत है। जब दाढ़ी नहीं हो तो काम नहीं चलता है दीपिका और रणवीर की प्रेम कहानी बहुत प्यारी है। उनकी पहली मुलाकात फिल्म 'राम लीला' के लिए संजय लीला भंसाली के द्वारा आयोजित एक डिनर पार्टी में हुई थी। उसी दौरान रणवीर लेडी लव दीपिका पर लट्टू हो गये थे। फिर फिल्म की शूटिंग शुरू हुई और दोनों के बीच दोस्ती हो गई और बाद में इसी फ्रेंडशिप ने प्यार की जगह ले ली। लंबे समय तक गुपचुप डेट करने के बाद दीपिका और रणवीर ने साल 2018 में इटली में शादी रचा ली थी। शादी के पांच साल बाद भी रणवीर और दीपिका लव बर्ड्स की तरह फैंस को कपल गोल्स देते रहते हैं। दीपिका-रणवीर का वर्क फ्रंट दीपिका पादुकोण अपनी अपकमिंग फिल्म 'फाइटर' को लेकर चर्चा में हैं। 15 अगस्त को इसका टीजर भी रिलीज किया गया था। वहीं, कहा जा रहा है कि रणवीर सिंह 'डॉन 3' में नजर आ सकते हैं।

हेमा मालिनी ने सनी देओल की फिल्म 'गदर 2' पर दिया रिएक्शन तो गदगद हुए धर्मेंद्र

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। धर्मेंद्र हिंदी सिनेमा के 'ही-मैन' कहे जाते हैं। उन्होंने इंडस्ट्री को शानदार फिल्मों से नवाजा और पर्सनल लाइफ के चलते हमेशा लाइमलाइट में बने रहे। धर्मेंद्र की दो शादियां बी-टाउन में हमेशा एक हॉट टॉपिक रही। कहा जाता था कि हेमा और उनकी बेटियों का बॉन्ड धर्मेंद्र की पहली पत्नी व बच्चों के साथ ठीक नहीं रहा, लेकिन अब ऐसा नहीं लगता है।धर्मेंद्र के बेटे सनी देओल की फिल्म गदर 2 का जलवा चारों तरफ देखने को मिल रहा है। दर्शक से लेकर क्रिटिक्स तक मूवी की तारीफ कर रहे हैं। अब सनी देओल की सौतेली मां हेमा मालिनी ने भी गदर 2 की तारीफ की जिसके बाद धर्मेंद्र ने सोशल मीडिया पर क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया। धर्मेंद्र के बेटे सनी देओल की फिल्म 'गदर 2' की सक्सेस को सिर्फ 'ही-मैन' या उनकी फैमिली नहीं बल्कि उनकी दूसरी पत्नी हेमा मालिनी और उनकी बेटियां भी सेलिब्रेट कर रही हैं। एशा देओल के बाद पहली बार हेमा मालिनी ने सनी देओल की फिल्म का रिव्यू किया। ये देख धर्मेंद्र अपनी दिल की बात कहने से खुद को रोक नहीं सकें। धर्मेंद्र ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर कर कहा कि उनके सपने सच हो रहे हैं। उन्होंने कहा, हैलो दोस्तों। कुछ ख्वाब जब पूरे हो जाते हैं, कुछ कहानियां जब हकीकत बन जाती हैं।ठ इस दौरान धर्मेंद्र ब्लैक पैंट और चेक्ड शर्ट के साथ हैट में दिखाई दे रहे। बाद में उन्होंने अपना वीडियो डिलीट भी कर दिया। धर्मेंद्र ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर हेमा मालिनी का वीडियो भी रीशेयर किया है, जिसमें 'ड्रीम गर्ल' सनी देओल की फिल्म पर रिएक्शन देती हुई नजर आ रही हैं। शनिवार को हेमा मालिनी ने सनी देओल की फिल्म 'गदर 2' देखी और थिएटर से बाहर निकलते हुए एक्ट्रेस ने पैपराजी से बात करते हुए फिल्म की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, ठगदर 2 देख कर आई हूं। बहुत ही अच्छा लगा। जैसी उम्मीद थी वैसी ही थी। फिल्म बहुत दिलचस्प है। ऐसा लग रहा था कि 70 और 80 के दशक की उस जमाने की फिल्म के जैसा एक दौर है। हेमा मालिनी ने अनिल शर्मा के डायरेक्शन की भी जमकर तारीफ की थी। बता दें कि इससे पहले एशा देओल ने भाई सनी की फिल्म के लिए स्पेशल स्क्रीनिंग रखी थी। पहली बार देओल भाई-बहनों को एक साथ देखा गया था।

सलमान खान की 'टाइगर 3' से लीक हुआ कटरीना कैफ का वीडियो, फैंस बोले- आ गया 'माशाअल्लाह 2.0

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। इस साल 'किसी का भाई किसी की जान' के बाद सलमान खान के फैंस अब 'टाइगर 3' के इंतजार में हैं। फिल्म में एक बार फिर 'भाईजान' का स्वैग और कटरीना कैफ की कातिल अदाएं देखने को मिलेंगी। लेकिन कहानी सिर्फ इनके रोमांस तक ही सीमित नहीं रह जाएगी। पहले दो पार्ट की तरह इस पार्ट में भी सलमान और कटरीना का जोरदार एक्शन सीन देखने को मिलेगा।3 टाइगर 3 सलमान खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म है। मूवी को लेकर काफी सालों से चर्चा है और इस साल नवंबर में फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। इस बीच मूवी से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसे देखने के बाद फैंस को फिल्म के थर्ड इंस्टालमेंट को लेकर एक्साइटमेंट बढ़ गई है। 'टाइगर 3' को लेकर रिलीज डेट के अलावा कोई और बड़ी जानकारी सामने आ चुकी है। इस बीच फिल्म से जुड़ा एक वीडियो वायरल हो रहा है। 'टाइगर 3' यशराज के स्पाई यूनिवर्स की अगली फिल्म है। मनीषा शर्मा के निर्देशन में बन कर तैयार होने वाली यह फिल्म इस साल नवंबर में रिलीज होगी। सोशल मीडिया पर एक क्लिप वायरल हो रहा है, जिसे 'टाइगर 3' का आइटम सॉन्ग बताया जा रहा है। वीडियो डांस सीक्वेंस का है, जिसमें कई बैकग्राउंड डांसर्स डांस कर रहे हैं और उनके आगे एक एक्ट्रेस हैं। हालांकि, वीडियो में एक्ट्रेस का चेहरा साफ नहीं है। सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि यह कटरीना कैफ का वीडियो है।

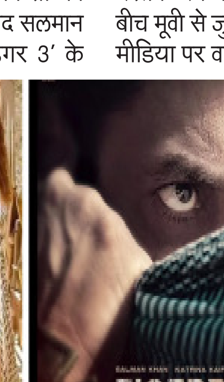

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।